P372

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 24 नवंबर 2025
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 24
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

स्मृति मंधाना और पलाश की शादी टली

पेज-2

फिल्म 'राहु-केतु' का टीजर रिलीज

पेज-5

2003 की सूची के लिए जमकर की जा रही वसूली...

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- श्रीनगर में पारा -3.2°C पहुंचा, सीजन की सबसे ठंडी रात दर्ज
- देश के 53वें चीफ जस्टिस बने जस्टिस सूर्यकांत, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिलाई शपथ
- पाकिस्तान के पेशावर में सैन्य हेडक्वार्टर पर आत्मघाती हमला, तीन हमलावर मारे गए
- दिल्ली : इंडिया गेट पर प्रोटेस्ट मामले में अब तक 15 प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी
- डीके शिवकुमार ने सीएम सिद्धारमैया कैंप के मंत्री केजे जॉर्ज से मुलाकात की
- कर्नाटक कांग्रेस में थम नहीं रही बगावत, डीके कैंप के विधायकों का तीसरा बैच दिल्ली पहुंचा
- दिल्ली के गाजीपुर में छाई धुंध की परत, एक्यूआई पहुंचा 441
- दक्षिण अफ्रीका के दौरे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली पहुंचे
- जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद मामले पर आज कोर्ट में होगी सुनवाई
- इजरायल के बेरूत हमले में हिज्बुल्लाह चीफ की मौत
- हम शांति लाने के हरसंभव प्रयास कर रहे : यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की

विश्व धरोहर सप्ताह : कृष्णाबाई की याद में बनाई 'कृष्णपुरा छतरी'

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत। कृष्णपुरा छत्रियाँ स्वयं 19वीं शताब्दी के मध्य में होलकर वंश के दिवंगत सदस्यों के सम्मान में बनाई गई थीं। इनका नाम कृष्णा बाई होलकर के नाम पर रखा गया है, जो प्रसिद्ध सेनापति यशवंतराव होलकर की पत्नी और मल्हार राव होलकर द्वितीय की माँ थीं। ये संरचनाएँ उन स्थानों पर बनाई गई हैं जहाँ इंदौर राज्य के शासकों का अंतिम संस्कार किया गया था। इस स्थल के पीछे से सीढ़ियाँ पास की काह्न नदी के तट तक जाती हैं। ये तीनों छतरियाँ नगर महल, राजवाड़ा से आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं, जिसका निर्माण भी होलकर वंश ने ही करवाया था। छत्रियों का निर्माण करने वाला शक्तिशाली परिवार, होलकर, मूल रूप से मराठा साम्राज्य के भीतर एक छोटा कबीला था। वे धनगर जाति से संबंधित थे, जिसका मूल महाराष्ट्र में था।

प्रदेश की फार्मेसी काउंसिल समस्याओं की गढ़ बनी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल को लेकर प्रदेशभर में लगातार समस्याएं उभर रही हैं। हाल के वर्षों में परिषद का संचालन विवादों और शिकायतों का केंद्र बन गया है, जिससे फार्मेसी पेशेवरों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। काउंसिल में दर्ज प्रमुख समस्याएं रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में बार-बार देरी और पारदर्शिता की कमी सामने आई है। ऑनलाइन सेवा की गुणवत्ता में लगातार गिरावट और तकनीकी गड़बड़ियाँ पाई गई हैं। परिषद में भ्रष्टाचार और दलाली जैसी शिकायतें आम हो गई हैं। नवीनीकरण, प्रमाण-पत्र जारी करने आदि के मामलों में अनावश्यक विलंब देखा जा रहा है। प्रदेश के हजारों फार्मेसिस्ट अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलनरत हैं।

फार्मेसी काउंसिल सर्टिफिकेट के रिन्यूअल में आ रही समस्या और कारण

1. कैंडिडेट की फ्रोफाइल में पूरी जानकारी अंग्रेजी शब्दों में बनती है, जबकि निवास प्रमाण-पत्र में जानकारी हिंदी में होती है तो निवास प्रमाण-पत्र अपलोड करने पर मिसमैच बताता है।
2. किसी किसी कैंडिडेट के प्रोफाइल में पिता के नाम पर श्री लगा दिया गया है, जबकि डॉक्यूमेंट में श्री नहीं है, इसलिए पिता का नाम मिसमैच बता रहा है।
3 कई बहनों के सरनेम मे शादी के पहले अलग था अब अलग हो गया हैं तो समस्या आ रही हैं।

सुझाव

1. कैंडिडेट के आईडी पर प्रोफाइल एडिट का ऑप्शन दिया जाए, जिससे एमपी ऑनलाइन से ही एडिड हो सके।
2. एक एफिडेविट ले कर 100 रुपए का उनके रजिस्ट्रेशन जारी किए जाए, जिससे फार्मासिस्ट की समस्या कम हो सके।

अगले साल प्रदेश में महंगी होगी प्रॉपर्टी!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश के प्रॉपर्टी खरीदारों के लिए नया साल महंगा साबित हो सकता है। मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए नई गाइडलाइन रेट (सर्किल रेट) तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शुरुआती प्रस्तावों के अनुसार अधिकांश जिलों में गाइडलाइन दरों में बढ़ोतरी की संभावना है, जिससे जमीन, मकान और कारोबारी संपत्तियों की रजिस्ट्री महंगी होगी। आदेश के अनुसार नई गाइडलाइन का प्रस्ताव पहले सभी जिलों की उप जिला मूल्यांकन समितियों द्वारा बनाकर 15 जनवरी 2026 तक जिला मूल्यांकन समितियों को भेजना होगा। इसके बाद जिला मूल्यांकन समिति प्रस्तावित गाइडलाइन को लेकर अधिसूचना जारी कर लोगों व राजनीतिक दलों से सुझाव लेगी।

जिला मूल्यांकन समिति को 30 जनवरी 2026 तक अंतिम प्रस्ताव तैयार करना होगा, जिसे 15 फरवरी 2026 तक राज्य स्तरीय केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेज दिया जाएगा। बोर्ड की मंजूरी के बाद नई गाइडलाइन रेट 1 अप्रैल 2026 से लागू हो जाएंगी। पिछले कुछ वर्षों में भोपाल के कई पॉश इलाकों में गाइडलाइन रेट में 20-50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। इस बार भी बाजार भाव और मौजूदा रेट के बीच के अंतर को कम करने के नाम पर अच्छी-खासी बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसका सीधा असर प्रॉपर्टी रजिस्ट्री की लागत, स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस पर पड़ेगा। जानकारी के अनुसार प्रदेश में करीब एक लाख 12 हजार में से 74 हजार स्थानों पर प्रापर्टी की खरीद-फरोख्त अधिक होती है। विभिन्न जिलों में इन स्थानों का पंजीयन और राजस्व अधिकारियों द्वारा एआई सहित अन्य माध्यमों से सर्वे कराया जाएगा। इस सर्वे के बाद ही तय होगा कि कितने स्थानों पर प्रापर्टी की दरों में वृद्धि की जानी है। बता दें कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगभग 60 हजार स्थानों पर प्रॉपर्टी की दरों में वृद्धि की गई थी। हालांकि आवासीय आरसीसी निर्माण और सभी क्षेत्रों में आरबीसी, टिनशेड, कच्चा कवेलू के लिए प्रचलित निर्माण दरों में कोई वृद्धि नहीं की गई थी।

स्थानों में दरें निर्धारित करने (यथावत, वृद्धि या कमी) नये स्थान व कालोनी जोड़े जाने की स्थिति में दरें प्रस्तावित किए जाने के लिए आवश्यक अनुमतियों की जानकारी एवं दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध हों। ऐसे स्थान जहां भूमि अधिग्रहण हो रही है या होने की संभावना है तो स्थानों व अधिग्रहण भूमि के आसपास के क्षेत्रों में होने वाले संभावित विकास को दृष्टिगत रखते हुए दरें प्रस्तावित की जाएं। मूल्य सूचकांक तथा नगर व ग्राम में हुए और प्रस्तावित विकास को दृष्टिगत रखना होगा। दरें यथासंभव वास्तवित रूप से प्रचलित दरों के अनुरूप हों। पिछले सालों की निर्माण के लिए तय लागत दरों को ध्यान में रखते हुए प्लाट आदि की दरें निर्धारित की जाएं।

बुंदेलखंड को सीएम की सौगात

लांच नदी परियोजना को दी स्वीकृति केन-बेतवा लिंक से बदलेगी सूरत

दैनिक इंदौर संकेत

सागर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुन्देलखंड के हर खेत को पानी मिलेगा। इससे क्षेत्र में समृद्धि आएगी। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील करते हुए कहा है कि वह अपने खेतों को किसी भी स्थिति में बेचने का प्रयास नहीं करें। मुख्यमंत्री ने कहा है कि किसानों का सर्वांगीण विकास सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मध्य प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में नंबर वन बनाने का कार्य किया जाएगा। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए 25 गायों के साथ गौशाला खोलने पर 40 लाख रुपये में से 10 लाख तक का अनुदान देने का कार्य मध्य प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव सागर जिले के बण्डा में सांदीपनि विद्यालय भवन के लोकापर्ण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बण्डा में आज लगभग 31 करोड़ रुपये की लागत से नव निर्मित सर्व सुविधा युक्त सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण किया गया है। इस विद्यालय में सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा है कि बण्डा क्षेत्र में सर्व सुविधा युक्त स्कूल भवन के निर्माण से इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को सीधा लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न के साथ प्रारंभ की गई है।

भोपाल बना प्रदेश का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर, कई शहर वेरी पुअर श्रेणी में पहुंचे

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● मध्य प्रदेश में हवा की गुणवत्ता लगातार बिगड़ रही है और अब राजधानी भोपाल भी गंभीर प्रदूषण की चपेट में है। हालात इतने गंभीर हैं कि राज्य के कई शहर अब दिल्ली जैसी प्रदूषण श्रेणी में पहुंच गए हैं। सिंगरौली सबसे प्रदूषित शहर बनकर उभरा है, जहां ट्रॉमा सेंटर पर एक्यूआई 356 दर्ज किया गया। वहीं भोपाल भी खतरनाक स्थिति में टीटी नगर में एक्यूआई 347, कलेक्ट्रेट में 321 और पर्यावरण परिसर में 303 रिकॉर्ड हुआ। तीनों लोकेशन वेरी पुअर कैटेगरी में आ गए हैं। ग्वालियर में महाराज बाड़ा और डीडी नगर की हवा एक्यूआई 308 और 309 तक पहुंची, जबकि इंदौर के छोटी ग्वालटोली में एक्यूआई 304 मिला। प्रदेश के कई औद्योगिक शहर-पीथमपुर, मंडीदीप और सागर में भी एक्यूआई 300 से ऊपर रहा।

राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के पीछे निर्माण स्थलों की धूल और आसपास के क्षेत्रों में जलाई जा रही पराली प्रमुख कारण हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, इस महीने शहर के आसपास पराली जलाने के 50 से अधिक मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही उखड़ी सड़कें, खुले में जमा मलबा और निर्माण गतिविधियों से उड़ने वाली बारीक धूल भी हवा की गुणवत्ता को खराब कर रही है।

ट्रैफिक पीक ऑवर में फॉगर का इस्तेमाल-नगर निगम ट्रैफिक के अधिक दबाव वाले समय-सुबह 9 से 12 बजे और शाम 4 से 6 बजे-फॉगर मशीनों से धूल को दबाने का काम कर रहा है। कई मुख्य सड़कों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव और सफाई की जा रही है।

बाबुल की दुआएं लेने पहुंची रीना बोरासी

इंदौर ● मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद अपने पिता पूर्व सांसद प्रेमचंद गुड्डू के निवास पर पहुंची रीना बोरासी। पूर्व सांसद ने दिया अपनी बेटी को आशीर्वाद। पिछले विधानसभा चुनाव से चल रही अदावत को माना जा रहा है अब होगी समाप्त।

आरटीआई का खुलासा | स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर उजागर हुआ बड़ा घोटाला

शहर के 34 अस्पतालों को फर्जी दस्तावेजों से दे दी मान्यता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर बड़ा खेल सामने आया है। इंदौर के 34 निजी अस्पतालों को फर्जी या अधूरे डॉक्यूमेंटस के आधार पर रजिस्ट्रेशन और मान्यता दी गई है। जांच में पता चला कि कई अस्पताल बिना फायर सेफ्टी और भवन अनुमति के चल रहे हैं। ये अस्पताल फर्जी लेटर पैड और सील-साइन के सहारे सालों से काम कर रहे हैं। वहीं इसकी पूरी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को है। हैरानी की बात यह है कि इनमें कई अस्पतालों ने जरूरी दस्तावेज फर्जी बनवाए या फिर बनवाए ही नहीं है। इनमें भवन अनुमति प्रमाणपत्र, फायर सेफ्टी एनओसी, रजिस्ट्रेशन और नवीनीकरण जैसे अनिवार्य दस्तावेज शामिल है। बावजूद इसके मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) दफ्तर ने इन्हें मान्यता दे दी। जबकि भारी अनियमितताएं डॉक्यूमेंटस में साफ-साफ दिखाई दे रही हैं। इस पूरे मामले में सीएमएचओ कार्यालय की भारी लापरवाही सामने आ रही है।

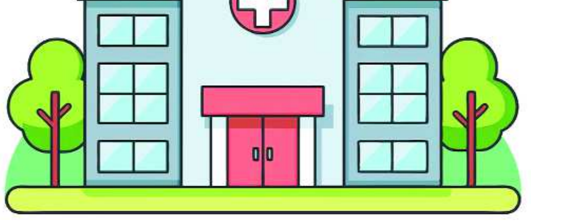

इंदौर में फर्जी डॉक्यूमेंटस के सहारे चल रहे अस्पतालों की पोल एक साधारण आरटीआई आवेदन ने खोल दी है। याचिकाकर्ता चर्चित शास्त्री ने साल 2024 में सीएमएचओ इंदौर से शहर के सभी अस्पतालों के रजिस्ट्रेशन दस्तावेज मांगे थे। वहीं, जो जवाब मिला, उसने पूरे स्वास्थ्य तंत्र पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। चर्चित शास्त्री ने सबसे पहले आरटीआई के जरिए इंदौर के सभी अस्पतालों के दस्तावेज मांगे। उन्होंने भवन अनुमति प्रमाण पत्र, फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज मांगे थे। सीएमएचओ कार्यालय ने इन दस्तावेजों को उपलब्ध करा दिया। कई अस्पतालों के रजिस्ट्रेशन में नगर निगम इंदौर के जरिए जारी भवन अनुमति प्रमाणपत्र संलग्न थे। वहीं, याचिकाकर्ता ने जब उन्हीं कॉलोनियों की प्रमाणिकता जांचने के लिए नगर निगम में आरटीआई लगाई, तो सामने आया बड़ा खुलासा हुआ। नगर निगम से मिले जवाब में सामने आया कि जिन कॉलोनियों में अस्पताल चल रहे हैं, वे अवैध कॉलोनी हैं। वहीं अवैध कॉलोनियों में नगर निगम कभी भवन अनुमति जारी नहीं करता है। इसका मतलब अस्पतालों ने नगर निगम के फर्जी लेटर पैड और कूटरचित सील-साइन से नकली बिल्डिंग परमिशन बनाई थी। कई अस्पतालों के रजिस्ट्रेशन में नगर निगम इंदौर के जरिए जारी भवन अनुमति प्रमाणपत्र संलग्न थे।

शहर के फर्जी अस्पताल पर एक नजर...

- **फर्जी अस्पतालों का खुलासा :** इंदौर के 34 निजी अस्पतालों ने फर्जी या अधूरे दस्तावेजों के आधार पर रजिस्ट्रेशन प्राप्त किया, जिसमें फर्जी भवन अनुमति और फायर सेफ्टी एनओसी शामिल हैं।
- **आरटीआई से हुआ खुलासा :** एक आरटीआई आवेदन के जरिए अस्पतालों के दस्तावेज़ जांचे गए, जिससे फर्जी दस्तावेजों का बड़ा खुलासा हुआ। नगर निगम से पता चला कि कई अस्पतालों ने अवैध कॉलोनियों में फर्जी अनुमति बनाई।
- **सीएमएचओ की लापरवाही :** स्वास्थ्य विभाग ने बिना जांच किए इन अस्पतालों को रजिस्ट्रेशन और मान्यता दी, जबकि दस्तावेजों में अनियमितताएं साफ दिख रही थीं।
- **कोर्ट में मामला :** जब प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की, तो इस मामले को इंदौर हाईकोर्ट में ले जाया गया, जहां अदालत ने जांच रिपोर्ट छह सप्ताह में पेश करने का आदेश दिया।
- **अस्पतालों की सूची :** कई अस्पतालों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए संचालन किया, जैसे फर्जी भवन अनुमति और फायर सेफ्टी प्रमाणपत्र, और अब इस मामले की गहरी जांच हो रही है।

न्यूज ब्रीफ

क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना के इंदौर शहर अध्यक्ष बने मनोज जाधव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना के इंदौर शहर अध्यक्ष पद पर मनोज जाधव को प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत कुंजीर ने नियुक्त किया है। सेना की शहर कार्यकारिणी को बढ़ाते हुए नियुक्तियां की गई। जिसमें शहर अध्यक्ष मनोज जाधव बने। यह नियुक्ति संरक्षक मिलिंद दिघे, प्रदेश सचिव विमल चौहान, महिला प्रदेश अध्यक्ष स्वाति मोहिते, करण कुंजीर की सहमति से की गई हैं। प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत कुंजीर चंदू भैया ने शहर अध्यक्ष मनोज जाधव को नियुक्ति पत्र दिया। अध्यक्ष बनने पर विधायक रमेश मेंदोला, पार्षद पूजा पाटीदार, चंदूराव शिंदे, सतीश भाऊ पवार, सुनील खंडागले, मार्तंड राव खान विलकर, लवली जाधव सहित अन्य ने बधाई दी।

पश्चिम मप्र में विद्युत आपूर्ति संबंधी शिकायतों में भारी कमी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पश्चिम मप्र में सितंबर के तीसरे सप्ताह की तुलना में नवंबर माह के तीसरे सप्ताह यानी दो माह के दौरान विद्युत आपूर्ति संबंधी शिकायतों में भारी कमी देखने को मिली है। पंद्रह जिलों के कुल आंकड़े में करीब 45 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि पंद्रह जिलों के आंकड़ों में 26 सितंबर को जहां पश्चिम मप्र के 62 लाख बिजली उपभोक्ताओं पर करीब 5800 शिकायतें दर्ज हुई थी, वहीं नवंबर तीसरे सप्ताह में 22 नवंबर को दर्ज दैनिक शिकायतों की कुल संख्या 3030 रही। इस तरह करीब पैंतालीस प्रतिशत शिकायतें घटी हैं। मुख्य महाप्रबंधक ने बताया कि प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के आदेशानुसार इंदौर, उज्जैन सहित सभी 15 जिलों में आपूर्ति सुधार के लिए सघनतम प्रयास किए जा रहे हैं। आपूर्ति संबंधित शिकायतों में व्यापक स्तर पर कमी भी उसी का सकारात्मक परिणाम हैं।

भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की बैठक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व के चार स्थानों से निकलने वाली सरदार पटेल@150 यूनिटी मार्च की तैयारी को लेकर नगर महामंत्री निक्की राय ने भाजपा इंदौर कार्यालय पर युवा मोर्चा इंदौर महानगर की बैठक आयोजित हुई जिसमे भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने युवा को संबोधित किया और 26 नवम्बर को इंदौर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की रूप रेखा के संबंध में युवाओं कों संबोधित किया । महामंत्री निक्की राय के नेतृत्व में बैठक संपन्न हुई, जिसमे सभी इंदौर शहर के ऊर्जावान युवाओं ने हिस्सा लिया।

यातायात सुधारने के साथ ही पुलिस का चालान बनाने का सिलसिला लगातार जारी

ट्रैफिक पुलिस टीम को ड्यूटी के दौरान व्यवहार की ट्रैनिंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के ट्रैफिक को सुधारने में ट्रैफिक पुलिस टीम कई अभियान चला रही है। टीम की एक जुटता से ही ट्रैफिक सुधर सकता है। ट्रैफिक पुलिस के कई कर्मचारियों को लेकर लापरवाही के आरोप लगाए जाते हैं। ये भी कहा जाता है कि ट्रैफिक पुलिस केवल चालान बनाने तक ही सीमित रहती है। ट्रैफिक पुलिस टीम को ट्रैफिक की ड्यूटी के दौरान किस तरह व्यवहार करना चाहिए इसे लेकर पुलिस कमिश्नर की मौजूदगी में ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस लाइन में रविवार को यातायात के पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान पुलिस उपायुक्त; यातायात जोन 4 आनंद कलादगी, यातायात पुलिस के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्तगण सहायक पुलिस आयुक्तगण सहित 200 अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस कमिश्नर ने संबोधित करते हुए कहा कि जनसेवा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक चरित्र है जिसे हम अपने भीतर विकसित करते हैं। यदि हम दिल से सेवा करेंगे, तो न केवल कार्य का आनंद आएगा बल्कि समाज से सम्मान भी प्राप्त होगा धीरे धीरे लोग भी हमारे साथ जुड़ेंगे और सहयोग करेंगे। जब हम इनफोर्समेंट का कार्य करते हैं तो हमारा धैर्य, हमारी परिपक्वता और हमारा व्यवहार बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है विषम परिस्थितियो में हमें संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा ट्रैफिक की ड्यूटी चुनौतीपूर्ण अवश्य है पर जब हम इसे मन से स्वीकार करेंगे और स्वयं को इसके लिए मजबूत बनाएंगे तभी कार्य का आनंद व संतुष्टि दोनों प्राप्त होंगे। जो कर्मचारी यातायात प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं उन्हें प्रति मंगलवार पुरुस्कृत भी किया जा रहा है इसी प्रकार आप भी बेहतर कार्य करें। यातायात व्यवस्था को सुधारने में आपके द्वारा किए गए कार्यों की मॉनिटरिंग भी की जाएगी और उत्कृष्ट कार्य करने वालों को आगे भी पुरुस्कृत किया जाता रहेगा। पुलिस उपायुक्त यातायात प्रबंधन आनंद कलादगी द्वारा यातायात पुलिस द्वारा शहर के यातायात को सुगम, सुरक्षित करने के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों के बारे में अवगत कराया गया। इस दौरान बेहतर यातायात प्रबंधन के लिए यातायात के कर्मचारियों द्वारा भी सुझाव दिए गए जिन्हें पुलिस कमिश्नर द्वारा सुना गया और अच्छे सुझावों की सराहना भी की गई। यातायात प्रबंधन और चेकिंग के दौरान किस तरह से बेरिकेड्स, स्टॉपर रखे जाएं, बॉडी वार्न का उपयोग, फोटो-वीडियोग्राफी चेकिंग के दौरान हमारा व्यवहार कैसा हो इस विषय पर भी प्रैक्टिकल के माध्यम से जानकारी दी गई।

बिना हेलमेट 1609 वाहन चालकों पर कार्यवाही

सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोटों से होने वाली मौतों को रोकने तथा नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस द्वारा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध निरंतर जागरूकता एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। शनिवार को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 1609 दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध चालान कार्रवाई की गई।

रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी में नहीं बजेंगे डीजे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के पश्चिमी क्षेत्र में परंपरा का रुप ले चुकी रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी 12 दिसंबर को निकलेगी। इसकी तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें तय हुआ कि प्रभातफेरी में डीजे नहीं बजाए जाएंगे। शहर के बैंड व भजन मंडलियां इसमें शामिल होगी। प्रभातफेरी में डेढ़ लाख से ज्यादा लोग शामिल होंगे। प्रभातफेरी छह घंटे अन्नपूर्णा क्षेत्र में घूमेगी। प्रभातफेरी के लिए बगैर अनुमति के मंच नहीं लगाए जाएंगे।

मंदिर प्रबंध समिति की बैठक में यात्रा की रुपरेखा पर चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि प्रभातफेरी के पहले चार दिन का उत्सव मनेगा। इस दौरान अनुष्ठान होगा और फूल बंगला सजाया जाएगा। 12 दिसंबर को सुबह चार बजे रणजीत हनुमान मंदिर प्रभातफेरी निकलेगी, जो महूनाका, दशहरा मैदान, राजेंद्र तिवारी मार्ग होते हुए फिर मंदिर पहुंचेगी।

दो झाँकियां बनेगी- मंदिर प्रबंधन समिति दो झांकियों का निर्माण करेगी। यह झांकियां रामायण प्रसंग पर आधारित रहेगी। इसके अलावा

भजन मंडलियां भी शामिल होगी। प्रभातफेरी में शामिल भक्तजनों के लिए मार्ग के दोनों तरफ तरह-तरह के व्यंजन रखे जाते है।

बैठक में इस बार सुरक्षा पर काफी जोर दिया गया। एक बैठक पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ भी की जाएगी। मंच सड़क को घेरकर न लगाए जाए। इस पर सहमति बनी। इसके अलावा खाद्य सामग्री भी भक्तों को फेंक कर नहीं दी जाएगी। कई बार प्रभातफेरी में शामिल लोग टॉफियां, फल भक्तों को फेंक कर देते है।

हाईटेक चोरों ने मकान मालिक से भी बोला झूठ

नारियल का बिजनेस का बोलकर हॉस्टलों से चोरी करते थे लैपटॉप-मोबाइल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हॉस्टलों से स्टूडेंट्स के मोबाइल-लैपटॉप, टैबलेट चोरी करने वाले हाईटेक चोरों ने मकान मालिक को भी झूठ बोला। उन्होंने मकान मालिक को कहा कि वे नारियल का बिजनेस का काम करने के लिए यहां आए हैं, लेकिन हकीकत इसके परे ही निकली। इस मामले में इंदौर पुलिस को उनके साथियों की भी तलाश है। टीम को कुछ जानकारियां मिली है, जिसके आधार पर पुलिस उनकी तलाश में लगी है।

साथ ही तमिलनाडु पुलिस से भी इंदौर पुलिस के अधिकारी ने संपर्क किया है और वहां से भी कुछ जानकारियां जुटाई जा रही है।इंदौर पुलिस ने तमिलनाडु के हाईटेक चोरों को पकड़ा। जो महू में किराए पर रहते थे और ट्रेन से रोजाना इंदौर आकर हॉस्टलों की रैकी करके यहां

से स्टूडेंट्स के लैपटॉप, मोबाइल, टैबलेट व अन्य सामान चोरी कर ले जाते। वे गूगल मैप का इस्तेमाल हॉस्टलों की लोकेशन देखने के लिए करते हैं। जैमिनी का इस्तेमाल भाषा को ट्रांसलेट करने के लिए करते थे।

पुलिस को लंबे समय से हॉस्टलों से लैपटॉप, मोबाइल चोरी होने की शिकायतें मिल रही थी। पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज की। अचानक रात में चेकिंग के दौरान पुलिस के हत्थे एक आरोपी लग गया। जिससे सख्ती से पूछताछ की तो 25 लाख के लैपटॉप, मोबाइल आदि पुलिस को मिल गए। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुथीयानथन पिता गोपाल, निवासी नरियामपट्ट, मगेन्द्र पिता वेंकटरमन और दीपक पिता बिसकर्मा, दोनों निवासी पेरियापल्लम। ये सभी एक सप्ताह से किराए के मकान में छिपकर रह रहे थे। डीसीपी आनंद कलादगी ने बताया कि तीनों आरोपियों से जानकारी मिली है कि वे हफ्तेभर से इंदौर के पास महू में किराए के मकान में रुके हुए थे। मकान मालिक ने किराएदारों की जानकारी भी दे रखी थी। आरोपियों ने मकान मालिक को झूठ कहा कि वे यहां पर नारियल का कामकाज करने आए हैं। पुलिस को जानकारी भी मिली है कि इन तीनों के अलावा भी इनकी गैंग में कुछ और सदस्य हैं। जिनके बारे में पुलिस पूछताछ कर रही है। उनकी भी जानकारी निकाली जा रही है।

स्मृति मंधाना और पलाश की शादी टली फेरों से पहले पिता की तबियत बिगड़ी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना और संगीत निर्देशक पलाश मुछाल की शादी फिलहाल टल गई है। यह शादी आज महाराष्ट्र के सांगली में होने वाली थी। स्मृति के पिता की अचानक तबीयत खराब होने के कारण दोनों परिवारों ने यह समारोह स्थगित करने का निर्णय लिया है। इस बात की जानकारी स्मृति के मैनेजर तुहिन मिश्रा ने साझा की है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार रात सांगली के समडोली रोड स्थित मंधाना फार्म हाउस में मेहंदी और संगीत समारोह का आयोजन किया गया था। रविवार दोपहर को शादी की मुख्य रस्में शुरू होनी थीं, लेकिन उससे ठीक पहले स्मृति के पिता श्रीनिवास

मंधाना की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें तुरंत इलाज के लिए सांगली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

शादी से पहले हुए प्री-वेडिंग फंक्शन्स की कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। विशेष रूप से संगीत सेरेमनी का एक वीडियो काफी चर्चा में है, जिसमें स्मृति मंधाना ने पलाश मुछाल के लिए एक खास डांस परफॉर्मेंस दी थी। उनका यह अंदाज देखकर वहां मौजूद परिवार, मेहमान और फैंस काफी हैरान और खुश नजर आए।

इस शादी समारोह में शामिल होने के लिए दोनों परिवारों के सदस्य, करीबी दोस्त और टीम इंडिया की कई साथी खिलाड़ी सांगली पहुंचे थे। शादी के लिए तैयार किए गए विशेष वेन्यू की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। फैंस इस शादी को लेकर काफी उत्साहित थे, लेकिन अब उन्हें थोड़ा और इंतजार करना होगा।

स्मृति मंधाना और पलाश मुछाल की पहली मुलाकात साल 2019 में मुंबई में एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी। पहले दोनों के बीच दोस्ती हुई, जो बाद में प्यार में बदल गई। करीब पांच साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद, 2024 में उन्होंने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। छह साल के लंबे इंतजार के बाद दोनों शादी के बंधन में बंधने जा रहे थे।

क्रीडा भारती द्वारा महिला योग स्पर्धा संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित महिला योग (समूह) प्रतियोगिता का आयोजन क्रीडा भारती खेल परिसर रामबाग में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में पुरोहित योगा एकेडमी ने प्रथम स्थान और क्लासिक योगासन ग्रुप ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर निर्णायक गण में अनीता भाटी जी,एवं MPYSA से प्रियंका पटेल, चारु भार्गव, और पल्लवी सोलंकी शामिल थे। क्रीड़ा भारती की मातृशक्ति प्रमुख संगीता पंवार, मधु करौले, गीतांजलि पांवड़े, और योग प्रमुख पूजा शर्मा की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि RTO इंदौर प्रदीप कुमार शर्मा जी थे। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेताओं को बधाई दी और कहा कि योग हमारे जीवन के मानसिक व शारीरिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को भी बधाई दी और कहा कि वे आगे भी इसी तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेंगें।

सुरक्षा के तीन सूत्र, ओबजर्वेशन, अलर्ट, शेयरिंग, पुलिस ने छात्रों को किया जागरूक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डॉ. अम्बेडकर युग सेवा समिति के माध्यम से इंदौर पुलिस द्वारा मुस्कान अभियान के तहत विदुर नगर के दी प्राइम एकडमी स्कूल मे छात्रों को बाल अपराध से बचाव, साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी देकर जागरूक किया गया। एसआई शिवम ठक्कर ने बच्चों को सुरक्षा से जुड़े तीन सूत्र 'ओबजर्वेशन, अलर्ट, शेयरिंग ' पर ध्यान देने का कहा। एएसआई गयेंन्द्र यादव ने बच्चों को हेल्पलाईन नम्बरों डायल 112, चाईल्ड हेल्पलाईन 1098, सायबर हेल्पलाईन 1930 के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान स्कूल की प्रिंसिपल प्रतिभा महा सहित स्कूल स्टाफ और समिति के मुरलीधर राहुल मेटांगे, भीमराव सरदार, रघुवीर मरमट, योगेंद्र गवांदे, सिद्धार्थ वाकोड़े, संतोष इंगले मौजूद थे।

होल्कर कॉलेज के छात्र की कुंड में गई जान इकलौते बेटे को खोकर परिवार बेसुध

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●इंदौर के सिमरोल क्षेत्र से एक दुखद खबर सामने आई है जहां लोधिया कुंड में नहाने के दौरान एक छात्र की डूबने से मौत हो गई। मृतक छात्र बीएससी प्रथम वर्ष का विद्यार्थी था और अपने दोस्तों के साथ वहां पिकनिक मनाने गया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमवाय अस्पताल भिजवा दिया है।

सिमरोल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लोधिया कुंड में शनिवार को यह हादसा हुआ। भोलाराम उस्ताद मार्ग पर रहने वाला छात्र श्रेयांश (पिता राम गुप्ता) अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने के लिए कुंड पर पहुंचा था। नहाते समय अचानक वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। दोस्तों ने उसे बचाने के लिए शोर मचाया जिसे सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

घटना के बाद पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। काफी देर तक चले खोजबीन अभियान के बाद श्रेयांश को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी सांसे थम चुकी थीं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक श्रेयांश मूल रूप से रीवा का रहने वाला था और इंदौर के होल्कर साइंस कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई कर रहा था। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसके पिता रीवा में आटा चक्की चलाते हैं और उसकी एक बहन रीवा मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रही है। परिजनों ने बताया कि उन्होंने श्रेयांश को महज 4 महीने पहले ही पढ़ाई के लिए इंदौर भेजा था। शनिवार को छात्र के मोबाइल से ही पिता को घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद बदहवास परिवार इंदौर पहुंचा।

कड़ाके की ठंड से राहत पारा उछला, कोहरा छाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●इंदौर समेत मध्य प्रदेश के निवासियों के लिए मौसम को लेकर राहत भरी खबर है। अगले 5 दिनों तक प्रदेश में शीतलहर और कड़ाके की ठंड से लोगों को राहत मिलेगी। हालांकि, ठंड कम होने के बावजूद सुबह के समय घने कोहरे का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग और एक्सपर्ट्स ने कोहरे को देखते हुए लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग करने की सलाह दी है। इसके साथ ही स्वास्थ्य और फसलों को लेकर भी आवश्यक एडवाइजरी जारी की गई है। प्रदेश में इस बार ठंड का दौर सामान्य से पहले ही शुरू हो गया था। आमतौर पर नवंबर के दूसरे पखवाड़े में तेज ठंड शुरू होती है, लेकिन इस बार 6 नवंबर से ही कड़ाके की ठंड पड़ने लगी। इसका मुख्य कारण हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे पहाड़ी राज्यों में समय से पहले हुई बर्फबारी रही। वहां से आई बर्फीली हवाओं ने मध्य प्रदेश को भी कंपा दिया। भोपाल में लगातार 15 दिनों तक शीतलहर चली, जबकि इंदौर में ठंड ने 25 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। भले ही पिछले दो दिनों से तेज ठंड से थोड़ी राहत मिली है, लेकिन भोपाल और इंदौर समेत कई शहरों में रात का तापमान अभी भी 10 डिग्री सेल्सियस से कम बना हुआ है। शुक्रवार और शनिवार की रात भोपाल और इंदौर का न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री दर्ज किया गया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 24 नवंबर 2025

संघम शरणं भाजपा संगठन...

भोपाल (एजेंसी) • प्रदेश भाजपा की संगठनात्मक नियुक्तियाँ पूरी तरह से संघ की लाइन पर आगे बढ़ती जा रही हैं। भाजपा संगठन के इस हेमंत खंडेलवाल युग में नियुक्तियों का यह कोई नया नहीं है लेकिन इस टीम में जो चेहरे सामने आ रहे हैं वह ताजगी भरे अवश्य नजर आ रहे हैं। एक तरफ चेहरों का नयापन भी है तो दूसरी तरफ अनुभवी चेहरों को भी संगठन में पूरी तरह से शामिल होने का अवसर मिल रहा है। दोनों ही तरह की नियुक्तियों में एक बात कॉमन है कि पृष्ठभूमि पूरी तरह से संघ में रंगी-बसी नजर आ रही है।

22 नवंबर 2025 को हेमंत खंडेलवाल की टीम में पांच नए चेहरों को जगह मिली है। इसमें मनोरंजन मिश्रा, जितेंद्र लिटोरिया और आशुतोष तिवारी को प्रभारी के रूप में संगठनात्मक नियुक्ति प्रदान की गई। मनोरंजन मिश्रा और जितेन्द्र लिटोरिया वह नाम हैं जो पिछले काफी समय से भारतीय जनता पार्टी में उपेक्षा का शिकार थे। हालांकि उपेक्षित होने से पहले यह पार्टी की अपेक्षाओं पर लगातार खरे उतरते रहे थे। और जिस तरह से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सहज और सरल शब्दों में अपनी बात रखी थी कि समर्पित और मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं को काम करने का पूरा अवसर मिलेगा, तो इन नियुक्तियों में भी उनके उस

संकल्प की झलक मिल रही हैं। महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष के पद पर अश्विनी परांजपे राजवाड़े और युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष के पद पर श्याम टेलर की नियुक्ति भी संघ को समर्पित उम्मीदों से भरे चेहरों के रूप में देखी जा सकती है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में रह चुके यह चेहरे अब भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन में अपनी भूमिकाओं की कसौटी पर खुद को साबित करेंगे।

अश्वनी पराँजपे राजवाड़े, भाजपा महिला मोर्चा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हैं। इनके पूर्व दायित्व में प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा भाजपा और पूर्व प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट के साथ पूर्व जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा जबलपुर जैसे पद शामिल हैं। वहीं वह अखिल भारतीय विधार्थी परिषद की राष्ट्रीय मंत्री भी रही हैं। तो शाजापुर निवासी श्याम टेलर भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हैं। इनके पूर्व दायित्वों में जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा, शाजापुर और राष्ट्रीय सदस्य अखिल भारतीय विधार्थी परिषद मुख्य रूप से शामिल हैं। मनोरंजन मिश्रा को प्रदेश मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं आशुतोष तिवारी को प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई, जबकि जितेंद्र लिटोरिया को कार्यालय व्यवस्था प्रभारी नियुक्त किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष से बनने के बाद हेमंत खंडेलवाल ने कम से कम समय में संगठन में नियुक्तियों का काम पूरा किया था और अब शेष दायित्वों की भी पूर्ति की जा रही है। हेमंत खंडेलवाल की इस टीम को 2028 विधानसभा चुनाव की दृष्टि से अहम माना जा रहा है। ऐसे में संघ और समर्पण का यह भाव पदाधिकारियों के जरिए कार्यकर्ताओं में भी नई ऊर्जा का संचार कर सकता है। भारतीय जनता पार्टी पहले भी संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपती रही है और खंडेलवाल की टीम में अब संघम शरणं भाजपा संगठन झलक और ज्यादा दिख रही है...।

न्यूज ब्रीफ

'आदित्य' को कोटा में 28 को आयोजित मुद्रा उत्सव में देंगे लीजेंड ऑफ़ इंडिया उपाधि

इंदौर •वरिष्ठ मुद्रा विद्वान एवं सर्वश्रेष्ठ संग्राहक गिरीश शर्मा 'आदित्य' को उनके अनमोल योगदान के लिए कोटा मुद्रा उत्सव में 'लीजेंड ऑफ़ इंडिया' की उपाधि के साथ जीवन गौरव सम्मान से सुशोभित किया जाएगा। कोटा की प्रसिध्द संस्था मुद्रा एवं स्टैम्प्स द्वारा 28 नवम्बर को माहेश्वरी भवन में आयोजित मुद्रा उत्सव के अवसर यह सम्मान समारोह आयोजित होगा। इंदौर मुद्रा एवं स्टैम्प्स सोसायटी के अध्यक्ष रविंद्र नारायण पहलवान ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि गिरीश शर्मा 'आदित्य' ने मुद्रा जगत में उच्चतम स्थान प्राप्त किया है। आदित्य के मुद्रा जीवन का यह 32 वां जीवन गौरव सम्मान होगा। इतनी बड़ी संख्या में अभी तक यह सम्मान किसी अन्य को नहीं मिल पाया हैं। श्री आदित्य विगत 55 वर्षों से प्राचीन भारतीय संस्कृति, इतिहास और मुद्रा संग्रह के क्षेत्र में निष्ठापूर्वक अनुसंधान, प्रकाशन और प्रसार के लिए कार्यरत हैं।

मुमुक्षु से मुनिराज कलश पुण्यविजय बनते ही झूम उठे आर्किटेक्ट कौशिक कुमार

इंदौर •रेसकोर्स रोड स्थित बास्केटबाल स्टेडियम पर रविवार को करीब 6 घंटे चले दीक्षा महोत्सव में हैदराबाद-सिकंदराबाद के युवा आर्किटेक्ट, मुमुक्षु कौशिक कुमार खांटेड ने संसारी और अपना वैभव संपन्न जीवन त्यागकर नया वेश और नया नाम धारण कर लिया। जैनाचार्य प.पू. विजय पद्मभूषणरत्न सूरीश्वर म.सा., आचार्य देव प.पू. विजय जिनसुंदर सूरीश्वर म.सा. एवं आचार्य विजय धर्मबोधि सूरीश्वर म.सा. सहित 50 से अधिक साधु-साध्वी-भगवंतों की निश्रा में हजारों समाजबंधुओं की मौजूदगी और भगवान महावीर स्वामी, दादा शांतिनाथ और जैनाचार्यों के जयघोष के बीच जैसे ही मुमुक्षु कौशिक कुमार को ओघा सौंपा गया, वे झूमकर नृत्य करने लगे। समवशरण की साक्षी में उन्होंने करीब 6 घंटे चले दीक्षा महोत्सव में अपना संसारी परिधान त्यागकर साधु का वेश और नया नाम खुशी-खुशी धारण किया। इस मौके पर दीक्षा मंडप से इंदौर में 11 और युवाओं की दीक्षाएँ कराने का संकल्प व्यक्त किया गया और महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान एवं अन्य राज्यों से आए दीक्षा के अभिलाषी इन 11 युवकों का परिचय कराते हुए बहुमान भी किया गया तो समूचा सभागृह एक बार फिर जयघोष से गूंज उठा।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा परिवहन करने पर दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध

जप्त मदिरा और वाहन की कुल कीमत एक लाख रुपये से अधिक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी द्वारा दिये निर्देशानुसार शहरी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की रही है। आबकारी विभाग के अमले द्वारा वृत्त बालदा कॉलोनी और बॉम्बे बाजार वृत प्रभारी मीरा सिंह के दल द्वारा मुखबिर की सूचना पर चोइथराम हॉस्पिटल सर्विस लेन पर एक दोपहिया वाहन क्रमांक MP09d56291 टीवीएस जुपिटर की तलाशी की गई। इस दौरान वाहन में एक पेटी विदेशी मदिरा रॉयल स्टेज अवैध परिवहन कर ले जायी जा रही थी। आबकारी विभाग ने चंद्रप्रकाश पिता आयलदास गुरुवाणी निवासी वैशाली नगर थाना अन्नपूर्णा को आरोपी पाया गया। इसके अलावा एक अन्य मामले में हरिहर नगर से कमल बैरागी पिता चुन्नीलाल द्वारकापुरी से 28 बोतल विदेशी मदिरा जप्त की गई। इन दोनों आरोपियों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जप्त मदिरा और वाहन की कुल कीमत एक लाख 19 हजार 334 रुपए है। आबकारी विभाग की इस कार्रवाई में कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल सहित बालदा कालोनी और बॉम्बे बाजार वृत्त प्रभारी मीरा सिंह, आबकारी आरक्षक मनोज खरे का सराहनीय योगदान रहा।

तिलक नगर में भरत-कुसुम मोदी कम्युनिटी हॉल बनेगा, हुआ भूमिपूजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •श्री लोकमान्य तिलक कम्युनिटी हॉल ट्रस्ट के तत्वाधान में प्रस्तावित भरत-कुसुम मोदी कम्युनिटी हॉल के निर्माण का भूमिपूजन समारोह आज अत्यंत भव्यता और समाजिक उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। यह अवसर समाज के लिए ऐतिहासिक और भावनात्मक स्वरूप लिए हुए रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दानवीर श्री भरत मोदी रहे तथा

उनके साथ विशेष सहयोगी के रूप में समाजसेवी संजय पाटौदी, अशोक चौधरी, हुकमचंद सामरिया उपस्थित रहे जिनके कर-कमलों से शिलान्यास सम्पन्न हुआ। गौरव रणदीवे, प्रदेश महामंत्री भाजपा विशेष अतिथि थे, इस अवसर पर महामन्त्री मनोनीत होने पर गौरव रणदीवे का सम्मान भी किया गया समारोह में अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें राजकुमार पाटौदी, अध्यक्ष सामाजिक ससंद हेमचंद्र जैन, अध्यक्ष पावांगीरी ऊन,इसके अतिरिक्त कीर्ति पांड्या, पूर्व पार्षद आशा होलास सोनी, परसराम वर्मा सहित अनेक समाजसेवी सम्मिलित रहे।

देवी अहिल्या का नेतृत्व सिर्फ मालवा नहीं, पूरे देश में भरोसे का प्रतीक -कैप्टन मीरा दवे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अभ्यास मंडल की 65वीं वार्षिक व्याख्यानमाला में कैप्टन मीरा दवे ने नारी नेतृत्व की ऐतिहासिक और आधुनिक भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का नेतृत्व केवल मालवा क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे देश में विश्वास का प्रतीक रहा। अभ्यास मंडल की 65वीं वार्षिक व्याख्यानमाला में 'नारी नेतृत्व से बढ़ता नागरिक विश्वास' विषय पर संबोधित करते हुए कैप्टन मीरा दवे ने कहा कि मालवा की शासक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का नेतृत्व केवल मालवा तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरे देश में नागरिकों के बीच विश्वास का प्रतीक रहा। उन्होंने कहा कि लोकमाता ने कभी सिर्फ मालवा के लिए नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के कल्याण के लिए सोचा। अपने संबोधन में उन्होंने एक प्रसंग का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि एक बार लोकमाता अहिल्याबाई उत्तराखंड क्षेत्र के भ्रमण पर थीं, जहां उन्होंने एक ग्रामीण को गाय को प्रताड़ित करते देखा। पूछने पर ग्रामीण ने बताया कि गाय ने उसकी फसल खराब कर दी है। इस पर लोकमाता ने उसे दो सोने की मोहर देकर गाय को न सताने की सलाह दी। जब वह आगे बढ़ीं तो पूरे गांव के लोग भी अपने पशु लेकर सहायता मांगने आ गए। लोकमाता ने सभी को सोने की मोहरें दीं, लेकिन उनसे वचन लिया कि गांव की पूरी खेती की जमीन मवेशियों के चरने के लिए रखी जाएगी। गांव के नागरिकों ने यह स्वीकार किया और इसके बाद उस गांव का नाम 'गोचर' पड़ा। पिछले वर्ष इस गांव में लोकमाता अहिल्याबाई की प्रतिमा और 'अहिल्या द्वार' का लोकार्पण हुआ है।

53 हजार उपभोक्ताओं को योजना अंतर्गत मिला समाधान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मप्र ऊर्जा विभाग द्वारा लागू समाधान योजना 2025-26 के प्रभावी क्रियान्वयन उपरांत पश्चिम मप्र में रविवार रात तक करीब 53 हजार उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं, इन उपभोक्ताओं को 1 करोड़ 88 लाख रूपए से ज्यादा की रियायत दी गई है। एक मुश्त बकाया राशि जमा करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 35 हजार से अधिक रही, इनकी पात्रतानुसार शत प्रतिशत सरचार्ज माफ किया गया, इन उपभोक्ताओं से बकाया बिजली बिल की मूल राशि ही जमा कराई गई। वहीं किश्तों में राशि जमा करने का विकल्प चयन करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 16000 से ज्यादा रही। कंपनी को करीब सवा अठारह करोड रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। कंपनी प्रबंधन ने बताया कि समाधान योजना में तीन माह के बिजली बकायादार शामिल होकर लाभ उठा सकते हैं, पात्रतानुसार एक मुश्त बकाया बिल जमा करने पर पूरा सरचार्ज माफ होगा, किश्तों में बकाया राशि जमा करने पर सरचार्ज 90 प्रतिशत तक माफ कराया जा सकेगा।

स्वच्छता की तरह फिटनेस इंदौर की नई पहचान बने - सीएम यादव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • रविवार की गुलाबी ठंड वाली सुबह के बीच हजारों शहरवासी एक साथ दौड़े और स्वास्थ्य जागरुकता का संदेश दिया। रन इंदौर वन इंदौर मैराथन दशहरा मैदान से शुरू हुई। इसमें सीएम मोहन यादव वर्चुअली जुड़े और कहा कि इंदौर हर क्षेत्र में अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। स्वच्छता की तरह फिटनेस इंदौर की नई पहचान बने। यह दौड़ दशहरा मैदान से शुरू हुई और नरेंद्र तिवारी मार्ग, रणजीत हनुमान रोड, महू नाका, अन्नपूर्णा मार्ग होते हुए दशहरा मैदान पर समाप्त हुई। तीन, पांच व सात किलोमीटर की अलग-अलग श्रेणियों की दौड़ में सभी उम्र के धावकों ने भाग लिया। मैराथन के पहले वंदे मातरम गाया गया। इसके बाद स्वच्छता एवं स्वास्थ्य की शपथ ली। इसके बाद अतिथियों द्वारा मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

गणना पत्रक भरने के लिए आवश्यक नहीं किसी भी प्रकार का ओटीपी

सीईओ संजीव कुमार झा ने किया मतदाताओं को सतर्क

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • एसआईआर-2026 के दौरान गणना पत्रक भरने के लिए बीएलओ या किसी भी अन्य अधिकारी द्वारा किसी भी माध्यम से ओटीपी मांगे जाने की आवश्यकता नहीं है। मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने मतदाताओं को सतर्क करते हुए बताया है कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची में स्वयं, माता-पिता या दादा-दादी संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए मतदाता अपने क्षेत्र के बीएलओ अथवा नजदीकी हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा जानकारी ऑनलाइन voters.eci.gov.in या ceoelection.mp.gov.in पर भी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि एसआईआर पत्रक भरते समय सुरक्षा उपायों का पालन करें। आधिकारिक सरकारी वेबसाइट पर ही एसआईआर भरें।

ये हैं सुरक्षा उपाय- ओटीपी या व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। एसआईआर की प्रक्रिया में निर्वाचन विभाग या किसी अधिकारी द्वारा फोन/मैसेज पर ओटीपी, आधार नंबर, मोबाइल नंबर आदि मांगना प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है। यदि कोई इस तरह की जानकारी माँगता है तो वह 'साइबर फ्रॉड कॉल' हो सकता है।

पार्षद परमार के अथक प्रयासों से विकास कार्यों की सौगात

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विधानसभा क्षेत्र 2 के वार्ड 18 मे सांवेर रोड पेट्रोल पंप से लेकर 6 करोड़ की लागत से बनने वाली शिव कंठ नगर की सड़क और संजीवनी क्लीनिक का भूमिपूजन किया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर, जीतू यादव, पार्षद श्रीमती सोनाली विजय परमार ने वेद मंत्रों के बीच भूमिपूजन किया। पार्षद श्रीमती सोनाली विजय परमार ने बताया कि शिवकंठ नगर की सारी सड़के 20-20 फीट की बनेगी और यातायात सुगम होगा, यहां के रहवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही वार्ड में संजीवनी क्लीनिक भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ बनेगा, रहवासियों को सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों के साथ जांचे मिलेगी। इस अवसर पर विधायक रमेश मेंदोला ने कहा कि लगातार विधानसभा में विकास की गंगा बहेगी। संजीवनी क्लीनिक बनने से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी।

350 वां बलिदान दिवस

मृत्यु का वीरता से वरण करने वाले महान संत गुरु तेग बहादुर

जब भी भारत में शौर्य, वीरता जन सेवा, करुणा व जीवंतता की चर्चा होती है, सिख धर्म के महान गुरु व मनीषी सहज ही याद आ जाते हैं। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी की श्रृंखला में गुरु तेग बहादुर जी ऐसे ही वीर पुरुष थे, जिन्होंने देश के हिंदुओं की रक्षार्थ, धर्म की रक्षार्थ, मात्र 54 वर्ष की उम्र में अपने प्राणों का बलिदान हंसते-हंसते कर दिया और क्रूर मुगल शासक औरंगजेब की क्रूरता, अत्याचार व बर्बरता को बौना साबित कर दिया।

21 अप्रैल 1621 को अमृतसर में उनका जन्म हुआ था, उन दिनों अमृतसर लाहौर प्रांत का एक नगर था। उनके पिता सिखों के छठवें गुरु श्री हरगोविंद जी थे। माता का नाम माता ननकी जी था। माता-पिता ने अपने पुत्र का नाम त्यागमल रखा शायद उन्हें पूर्वाभास हो गया था कि उनका यह पुत्र त्याग के श्रेष्ठतम कीर्तिमान स्थापित कर अपने प्राणों का भी बलिदान धर्म के लिए कर देगा। माता-पिता के पांच पुत्रों में ये सबसे छोटे पुत्र थे। सिख गुरु परिवार में जन्म लेने के कारण उन्हें बचपन से ही वीरता, शौर्य, घुड़सवारी, तलवारबाजी, तीरंदाजी की शिक्षा दी गई। समय के साथ-साथ बड़े होने पर माता गुजरी के साथ उनका विवाह हुआ व 1666 में उनके परिवार में एक यशस्वी पुत्र का जन्म पटना में हुआ, जो आगे चलकर सिख धर्म के दसवें गुरु गोविंद सिंह जी कहलाए।

20 मार्च 1664 को उनको नौवें गुरु के रूप में मनोनीत किया गया, उनके पूर्व गुरु हरि कृष्ण जी

आठवें गुरु थे। 1665 में उन्होंने आनंदपुर साहिब नगर की स्थापना की। उन्होंने देश का भ्रमण किया जिसमें किरतपुर, आनंदपुर साहिब, रोपड़, सैफाबाद, कुरुक्षेत्र, प्रयाग बनारस, पटना, आसाम आदि स्थान प्रमुख है। इन स्थानों पर जाकर उन्होंने जन-जन के मन में गरीबों की सहायता, मन में धैर्य और वीरता का समावेश करना व शौर्य के गुण को धारण करना, जन सेवा के करने के भाव जगाए। जनसेवा के बहुत से कार्य उनके द्वारा किए गए जिनमें पीने के पानी के लिए कुएं खुदवाना, उनके आवास की व्यवस्था करना, लोगों को संस्कार और रोजगार देने के कार्य शामिल थे। वे चाहते थे कि हर मानव एक दूसरे की सहायता करके आगे बढ़े। उन्हीं दिनों क्रूर मुगल शासक औरंगजेब के अत्याचारों से देश दहल रहा था, उसने फरमान जारी किया कि हिंदुओं को जबरदस्ती इस्लाम कबूल कराया जाए। हिन्दुओं ने गुरु तेग बहादुर जी से प्रार्थना की कि उनकी रक्षा करें गुरु तेग बहादुर बचपन से ही निडर थे, धर्म और सेवा के संस्कार उनके रोम रोम में समाहित थे, औरंगजेब का फरमान उन तक भी पहुंचा, उन्होंने बड़े ही सहजता से कहा शीश कटा सकते हैं केश नहीं। यानि कि प्राणों का बलिदान देना पड़े तो दे सकते हैं, अपने धर्म का परिवर्तन नहीं करेंगे। यह वर्ष 1675 था। उनकी यह दृढ़ता औरंगजेब को नागवार गुजरी। उसने उनको बंदी बनाकर उनकी हत्या का फरमान जारी कर दिया। दिल्ली चांदनी चौक में उनको बंदी बनाकर लाया गया जल्लाद जलाल जलालुद्दीन ने अपनी निर्मम तलवार से उनका सिर धड़ से अलग कर दिया। यह दिन था 24 नवंबर 1675 जो इतिहास में काले एवं क्रूर पृष्ठ के रूप में अंकित हो गया। निर्भय आचरण, धार्मिक अडिग़ता, शौर्य और वीरता के साथ उन्होंने राष्ट्रवाद और धर्म प्रेम की नई इबारत लिखी। दिल्ली, चाँदनी चौक में जहां आज शीशगंज गुरुद्वारा है, उसी जगह पर उन्होंने बलिदान दिया था। उनके एक शिष्य ने उनकी मृत देह को मुगलों के चंगुल से निकालकर रकाबगंज साहिब में उनका अंतिम संस्कार किया। इस तरह एक बहादुर संत जो धर्म व राष्ट्र के प्रति समर्पित थे ने अपना बलिदान कर दिया। उनके निधन के पश्चात उनके ही पुत्र श्री गुरु गोविंद सिंह जी को मात्र 9 वर्ष की उम्र में सिख धर्म के 10वें गुरु का दायित्व सौंपा गया। गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान हिंदुस्तान के लिए था हिंदुओं के लिए था इसलिए उनको हिंद की चादर, के नाम से भी सुशोभित किया गया। चांदनी चौक में उनके बलिदान की स्मृति में 1783 में उनके ही अनुयाई बघेल सिंह ने एक गुरुद्वारा बनाया। मात्र 8 माह की अवधि में इसका निर्माण किया गया। 1857 में इसका पुन: विस्तार हुआ और 1930 में इसे वर्तमान स्वरूप मिला।

भारतीय सेना की सिख रेजीमेंट राष्ट्रपति को सलामी देने के बाद शीशगंज गुरुद्वारे में सलामी देकर गुरु तेग बहादुर जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन कर, उनके महान बलिदान को नमन करती है।गुरु तेग बहादुर जी एक वीर होने के साथ-साथ आध्यात्मिक मनीषी भी थे। गुरु ग्रंथ साहिब में उनके 115 भजनों का संकलन किया गया है। उनका 400 वां प्रकाश वर्ष 2022 में मनाया गया। जिसमें देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धा से भाग लिया। उनकी स्मृति में चाँदी का एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी कर एक महान योद्धा को, एक महान गुरु को नमन किया। 24 नवंबर 2025 को उनका 350 वां बलिदान दिवस है। भारत मां के इस महान सपूत को कृतज्ञ राष्ट्र का कोटिश: नमन। इसी भावना के साथ कि हम सब नैतिक मूल्यों को अपना कर शौर्य, वीरता के साथ-साथ देश, धर्म, मानव व मानव मूल्यों की प्रगति हेतु एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे।

सम्पादकीय

तेजस गिरा नहीं, हमारा भरोसा टूटा है! हवा में कैसी है भारत की रक्षा तैयारी?

भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस का एक और हादसा चिंता बढ़ाता है। क्या तकनीकी खामियां रक्षा आत्मनिर्भरता की राह में बड़ी चुनौती बन रही हैं? भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर युद्ध के जो नए आयाम उभर कर सामने आ रहे हैं, उस लिहाज से रक्षा साजो-सामान का अपने देश में निर्माण और उनका उन्नयन बेहद जरूरी हो गया है। स्वदेशी एवं बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान तेजस का निर्माण भारत की इसी सोच और इच्छाशक्ति का परिणाम है। इसे देश की रक्षा तकनीक की ताकत का प्रतीक भी माना जाता है। मगर भारतीय वायुसेना में शामिल इस विमान का दुबई में आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान शुक्रवार को हादसे का शिकार हो जाने की घटना ने रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता की राह में चिंता की लकीरें खींच दी हैं। इस हादसे को इसलिए भी चिंताजनक दृष्टि से देखा जा रहा है, क्योंकि दो वर्ष के इतिहास में यह दूसरी बार है जब तेजस दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। इससे पहले मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर में भारतीय सेनाओं के एक त्रि-सेवा अभ्यास के दौरान यह लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। तब शुरुआती जांच में विमान के इंजन में तकनीकी खराबी की ओर इशारा किया गया था। जहां तक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की बात है तो भारत पिछले कुछ वर्षों से स्वदेशी रक्षा उत्पादन के मामले में एक नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। देश में आत्मनिर्भरता एक मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है, जिसने स्थानीय डिजाइन, विकास और विनिर्माण को प्राथमिकता देने वाली नीतियों को प्रेरित किया है। सरकारी सुधारों, रणनीतिक निवेश और औद्योगिक साझेदारियों ने नवाचार को बढ़ावा देकर घरेलू रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है। भारत ने स्वदेशी रक्षा प्रणाली आकाशतीर, ब्रह्मोस मिसाइल और लड़ाकू विमान तेजस जैसे रक्षा उपकरणों को तैयार कर दुनिया को अपनी तकनीक एवं उसकी शक्ति का परिचय दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश की इस आधुनिक रक्षा प्रणाली ने अपनी क्षमता को बखूबी दर्ज किया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत का रक्षा निर्यात वर्ष 2013-14 में 686 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपए हो गया है। यह तस्वीर आत्मनिर्भर और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी रक्षा उद्योग के लिए देश के निरंतर एवं गहन प्रयासों को रेखांकित करती है। करीब दो दशक के विकास और परीक्षण के बाद लड़ाकू विमान तेजस को बेहद सुरक्षित माना जाता रहा है। इसका निर्माण वर्ष 2007 में शुरू हुआ था और जुलाई 2016 में भारतीय वायुसेना ने तेजस का पहला बेड़ा बनाया।

डोनाल्ड ट्रंप-मोहम्मद बिन सलमान भू- राजनीतिक साझेदारी- स्वार्थ-प्रधान कूटनीति रणनीतिक सौदे और बदलती वैश्विक शक्ति-संतुलन का विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस के बीच दिनांक 19 नवंबर 2025 को चल रही गलबहियां पूरी दुनियाँ ने देखी अमेरिकी राष्ट्रपति ने सऊदी को प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी बता दिया है और एफ़-35, परमाणु डील समेत कई महान समझौते किए हैं मध्य -पूर्व की राजनीति में खलबली मचा देने वाले इन दो देशों ने 1945 में भी एक महान समझौता किया था,जब एक युद्धपोत पर राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट और आधुनिक सऊदी किंग अब्दुलअजीज इब्न सऊद की मुलाकात हुई थी,इसी मुलाकात के बाद क्विंसी समझौते की नींव रखी गई थी।वैश्विक राजनीति सदियों से राष्ट्रीय स्वार्थ और रणनीतिक लाभ के सिद्धांत पर संचालित होती रही है।चाहे वह साम्राज्य वाद के दौर कीविस्तारवादी नीतियाँ हों, शीतयुद्ध काल के दो ध्रुवीय गठबंधन, या 21वीं सदी की आर्थिक-रणनीतिक कूटनीति, हर युग में महाशक्तियों ने अपनी प्राथमिकताओं को सर्वोपरि रखा। अभी हाल ही में एक दिन पूर्व डोनाल्ड ट्रंप और मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) के बीच हुए ऐतिहासिक समझौतों निवेश के वायदों को भी इसी रूप में देखा जा सकता है। इन दोनों के बीच एक दिन पूरा वाइट हाउसमें जो हुआ वह सिद्धांत को पुष्ट करती हैं कि राजनीति में स्थायी कुछ नहीं होता, केवल राष्ट्रीय हित स्थायी होते हैं।यह लेख इन दोनों नेताओं के हालिया व्हाइट हाउस संवाद,उससे जुड़े रणनीतिक व्यापारिक और सैन्य समझौतों तथा वैश्विक शक्ति समीकरणों पर पड़े प्रभाव का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि राजनीति में स्वार्थ की अवधारणा नई नहीं है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों केयथार्थवादी सिद्धांत के अनुसार, हर देश का सर्वोच्च उद्देश्य अपनी सुरक्षा, शक्ति और हितों की रक्षा करना होता है। यह सिद्धांत बताता है कि कोई भी राष्ट्र,चाहे वह अमेरिका हो, सऊदी अरब हो या भारत,वैश्विक मंच पर उन्हीं निर्णयों को प्राथमिकता देता है,जिनसे उसका सामरिक, आर्थिक या राजनीतिक हित सुरक्षित रहेडोनाल्ड ट्रंप का अमेरिका फर्स्ट और एमबीएस का विज़न 2030 इसी स्वार्थ-प्रधान रणनीति के दो उदाहरण हैं। दोनों नेता इस धारणा पर चलते हैं कि बड़े फैसलेभावनाओं या सामूहिक नैतिकता के आधार पर नहीं,बल्कि कच्ची वास्तविकताओं, पैसा, सुरक्षा, निवेश, तेल, हथियार और वैश्विक प्रभाव के आधार पर लिए जाते हैं।

साथियों बात अगर हम ट्रंप और एमबीएस:-दो आक्रामक नेताओं की समान नीति-शैली कोसमझने की करें तो डोनाल्ड ट्रंप वैश्विक राजनीति में अपनी लेन-देन आधारित कूटनीति (ट्रांसक्शनल डिप्लोमासी) के लिए जाने जाते हैं। उनके शासनकाल में वैश्विक समझौते लाभ-हानि के

कठोर आकलन पर आधारित थे। वे अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों पर पुनर्विचार करने,नाटो देशों से अधिक धन मांगने,चीन पर टैरिफ लगाने और पुराने समझौतों को रद्द करने में संकोच नहीं करते थे।इसी प्रकार मोहम्मद बिनसलमान अपने देश को आधुनिक आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए उग्र सुधारवादी नीति अपनाते हैं। सऊदी की तेल-निर्भर अर्थव्यवस्था को विविध बनाने, बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश लाने और मध्य-पूर्व की शक्ति-संतुलन में वर्चस्व बनाए रखने के लिए वे साहसिक कदम उठाते रहे हैं। उनके शासनकाल में सऊदी अरब ने क्षेत्रीय राजनीति में आक्रामक सैन्य और आर्थिक हस्तक्षेपों के माध्यम से खुद को एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया है।दोनों नेताओं में तीन महत्वपूर्ण समानताएँदिखाई देती हैं(1)राष्ट्र प्रथम का सिद्धांत (2) आक्रामक कूटनीति(3)बड़े आर्थिक और रक्षा सौदों पर जोर

साथियों बात अगर हम ट्रंप- एमबीएस व्हाइट हाउस बैठक: भू-राजनीतिक हलचल का केंद्र इसको समझने की करें तो, 2018 के बाद पहली बार एमबीएस का अमेरिका आगमन और व्हाइट हाउस में ट्रंप द्वारा किया गया ऐतिहासिक स्वागत वैश्विक मीडिया का केंद्र बन गया यह केवल एक कूटनीतिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि वैश्विक शक्ति समीकरणों को पुनर्परिभाषित करने वाला क्षण था।इस मुलाकात के कई अर्थ थे- (1)सऊदी अरब और अमेरिका के रिश्तों में आई ठंडक अब समाप्त हो रही है।(2) बाइडेन प्रशासन के तहत मौजूद तनाव और अविश्वास अब इतिहास बनता दिख रहा है।(3) मध्य-पूर्व में अमेरिका अपनी प्रासंगिकता पुन: स्थापित करने की कोशिश कर रहा है।(4) एमबीएस की अंतरराष्ट्रीय छवि, जो खशोगी प्रकरण से धूमिल हुई थी, ट्रंप ने उसे पुन: वैधता प्रदान कर दी।ट्रंप के इस कदम को विश्लेषक व्यवहारिक कूटनीति कहते हैं,जहाँ मानवीय अधिकारों का मुद्दा पीछे छूट जाता है और व्यापार, हथियार सौदे तथा रणनीतिक प्रभाव प्राथमिकता बन जाते हैं।

साथियों बातें कर हम सऊदी को मेजर नॉन-नाटो एली का दर्जा और अभूतपूर्व रक्षा सौदे इसको समझने की करें तो इस बैठक का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय था सऊदी अरब को मेजर नॉन-नाटो एली का दर्जा देना।यह दर्जा सामान्यत: उन देशों को मिलता है जो अमेरिका के दीर्घकालिक रक्षा-सहयोगी होते हैं। इससे सऊदी को अमेरिकी तकनीक, हथियार, रक्षा सहयोग, खुफिया सूचना और सुरक्षा साझेदारी के विशेष अधिकार प्राप्त होंगे।यह कदम मध्य-पूर्व में शक्ति संतुलन को पूरी तरह बदल देगा।इसके साथ ही दो बड़े रक्षा समझौते घोषित हुए(1) 48 एफ़-35 स्टील्थ फाइटर जेट की बिक्री-एफ़ -35 दुनिया का सबसे खतरनाक और अत्याधुनिक स्टील्थ विमान है।सऊदी के लिए यह एक 'गेम-चेंजर' सिद्ध होगा।यह इज़रायल, ईरान और तुर्किये जैसे देशों के सैन्य समीकरणों पर गहरा असर डालेगा। (2) 300 अब्राम्स टैंक की बिक्री-अब्राम्स एम 1ए 2 टैंक दुनिया की सबसे उन्नत स्थलीय युद्ध मशीनों में गिना जाता है।इससे सऊदी की थलसेना का सामरिक शक्ति- संतुलन कई गुना बढ़ जाएगा।इन दोनों सौदों के पीछे ट्रंप का साफ संदेश है-बिजनेस इज़ बिजनेस, और अमेरिका का हित सर्वोपरि है। साथियों बात अगर हम सऊदी का अमेरिका में ऐतिहासिक निवेश,एक ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य इसको समझने की करें तो,एमबीएस ने अमेरिका में सऊदी अरब के निवेश को बढ़ाकर 1 ट्रिलियन डॉलर करने की घोषणा करके वैश्विकआर्थिक जगत में हलचल मचा दी। यह रकम पहले से घोषित 600 अरब डॉलर के निवेश से कहीं अधिक है। उन्होंने अमेरिका को दुनिया का सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बताया, जो स्पष्ट करता है कि सऊदी आर्थिक रूप से अमेरिका पर भरोसा बढ़ा रहा है। यह निवेश केवल आर्थिक नहीं, बल्कि 3 बड़े रणनीतिक उद्देश्यों को साधता है (1) अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सऊदी की निर्णायक भागीदारी(2)द्विपक्षीय संबंधों को वित्तीय आधार पर मजबूती (3) ट्रंप प्रशासन को समर्थन और सुरक्षा गारंटी प्राप्त करना,एफ़ -35 और 300 अब्राम्स टैंकों के अतिरिक्त सऊदी द्वारा 88 लाख करोड़ (अरबों डॉलर) की डील अमेरिकी उद्योग के लिए बड़ी आर्थिक संजीवनी है।ट्रंप के लिए यह बैठक केवल एक कूटनीतिक सफलता नहीं, बल्कि आर्थिक उपलब्धि भी थी,जो एनपीएस (नेशनल परोसपेरिटी सम्मिट) और आगामी चुनावों में उनकी छवि मजबूत करेगी। साथियों बात अगर हम जमाल खशोगी हत्या मामला: ट्रंप की 'क्लीन चिट' और विश्व राजनीति में नैतिकता बनाम हितों का संघर्ष इसको समझने की करें तो,2018 में तुर्किये में पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या ने विश्व समुदाय में सऊदी अरब की छवि को गंभीर क्षति पहुंचाई थी। सीआईए ने अपने निष्कर्षों में स्पष्ट रूप से कहा था कि इस हत्या के पीछे सऊदी शासन और एमबीएस की मंजूरी का संदेह है।बाइडेन प्रशासन इसी आधार पर एमबीएस से दूरी बनाए हुए था।परन्तु ट्रंप ने इस बैठक में एमबीएस को क्लीन चिट प्रदान करते हुए कहा कि उन्हें इस मामले में कोई जानकारी नहीं है।यह बयानरणनीतिक और आर्थिक हितों के अनुसार था, राजनीतिक नैतिकता के नहीं।यह कदम यह सिद्ध करता है कि (1) राजनीति में मानवीय अधिकारों से बड़ा राष्ट्रीय हित होता है (2) हथियार, निवेश और भू- रणनीतिक सहयोग नैतिकता से अधिक शक्तिशाली हैं (3) अमेरिका -सऊदी संबंध व्यवहारिकता पर आधारित हैं, न कि आदर्शवाद पर ट्रंप का यह निर्णय आलोचकों की दृष्टि में विवादास्पद है, परन्तु समर्थकों के अनुसार यह 'राष्ट्रहित आधारित वास्तविक कूटनीति' है।

साथियों बात अगर हम इसके अंतरराष्ट्रीय प्रभाव:-यहसाझेदारी वैश्विक भू-राजनीति को कैसे बदलेगी? इसको समझने की करें तो ट्रंप,एमबीएस बैठक का वैश्विक परिदृश्य पर प्रभाव अत्यन्त व्यापक है,(1)मध्य-पूर्व का शक्ति-संतुलन बदल जाएगा-एफ़ -35 और अब्राम्स टैंक सऊदी को क्षेत्रीय सुपर- पावर बना देंगे।ईरान के लिए यह गंभीर चुनौती होगी।(2)चीन और रूस पर अप्रत्यक्ष दबाव बढ़ेगा- सऊदी का अमेरिका की ओर झुकाव ऊर्जा और निवेश उद्योग में दोनों देशों के लिए झटका है (3) इज़रायल -सऊदी संबंधों में नई संभावनाएँ-अमेरिका की मध्यस्थता से अब्राहम समझौते 2.0' की राह खुल सकती है।(4)भारत सहित एशिया में कच्चे तेल की राजनीति प्रभावित होगी-सऊदी,अमेरिका गठजोड़ तेल मूल्यों और ऊर्जा आपूर्ति पर असर डालेगा। (5) अमेरिका मध्य-पूर्व में अपनी सैन्यमौजूदगी दोबारा मजबूत करेगा,यह चीन की बेल्ट एंड रोड रणनीति पर भी प्रभाव डालेगा। अत: अगर हम उपयोग पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि स्वार्थ, रणनीति और शक्ति,21वीं सदी की नई कूटनीति,ट्रंप और मोहम्मद बिन सलमान की मुलाकात केवल एक राजनयिक घटना नहीं थी, बल्कि 21वीं सदी की नई भू-राजनीति का स्पष्ट संदेश थी,राष्ट्रहित सर्वोपरि है।इस साझेदारी में अर्थव्यवस्था है,हथियार हैं,निवेश है,रणनीतिक दबाव है,क्षेत्रीय वर्चस्व है,और सबसे महत्वपूर्ण,एक ऐसा गठबंधन है जो आने वाले दशक में विश्व की शक्ति-संरचना को नया स्वरूप दे सकता है।नैतिकता मानवाधिकार, लोकतंत्र जैसे आदर्शों का स्थान यथार्थवादी शक्ति- राजनीति ने फिर से ले लिया है। स्वार्थ-प्रधान राजनीति आज भी वही है,केवल उसके स्वरूप और साधन बदल गए हैं।डोनाल्ड ट्रंप और एमबीएस इस नई विश्व-व्यवस्था के प्रतिनिधि हैं, जहाँ कूटनीति अब केवल संवाद नहीं, बल्कि शक्ति, धन और राष्ट्रीय हितों की प्रतिस्पर्धा है।

लेखक - **किशन सनमुखदास भावनानी**
गोंदिया महाराष्ट्र

आंचलिक

जयस अध्यक्ष से मारपीट पर झिरन्या में धरना अवैध शराब बिक्री के विरोध में 1500 लोग शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● झिरन्या में जय आदिवासी युवा संगठन (जयस) के ब्लॉक अध्यक्ष के साथ मारपीट के विरोध में रविवार को धरना आंदोलन हुआ। यह विवाद अवैध शराब की बिक्री से जुड़ा है। संगठन ने बाजार बंद रखा और इस धरने में क्षेत्र के 1500 से अधिक कार्यकर्ता और समाजजन शामिल हुए। धरने पर बैठे पदाधिकारियों ने क्षेत्र में शराब ठेका बंद करने की मांग उठाई। उन्होंने जयस ब्लॉक अध्यक्ष मगन जाधव के साथ शराब ठेका कर्मचारियों द्वारा की गई मारपीट की सूचना के बावजूद पुलिस के मौके पर न पहुंचने पर भी रोष व्यक्त किया। संगठन ने चेतावनी दी कि वे क्षेत्र में शराब की बिक्री नहीं होने देंगे। धरनास्थल पर पहुंचकर थाना प्रभारी ने तीन ठेका कर्मचारी को गिरफ्तार कर जेल भेजने की पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री न होने देने का आश्वासन भी दिया। सुबह बाजार बंद करने का समर्थन मांगा गया था, जिसके बाद सेवालाल चौक में सभा के साथ धरना शुरू हुआ। तहसीलदार और चैनपुर थाना पुलिस प्रभारी गहलोत

सेमलिया ने धरनास्थल का दौरा किया। थाना प्रभारी ने बताया कि मारपीट के मामले में तीन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जांच के साथ उन पर एससी/एसटी एक्ट भी लगाया गया है और तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। अवैध शराब की सूचना पर पुलिस के समय पर न पहुंचने के सवाल पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी चुप्पी साध गए। इस दौरान सभा में मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। शाम को धरने के बाद थाने पहुंचकर करवाई के दस्तावेज मांगे।

गन्ना-केला और सोयाबीन-प्याज में भेदभाव करते हैं सांसद : कांग्रेस

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तमपालसिंह पुरनी ने सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल पर किसानों के साथ फसलों को लेकर भेदभाव करने का आरोप लगाया है। पुरनी ने कहा कि सांसद लोकसभा में सिर्फ बुरहानपुर के गन्ना-केला किसानों की बात उठाते हैं और उन्हें राहत दिलाते हैं, जबकि खंडवा के प्याज और सोयाबीन किसानों के लिए उनकी आवाज नहीं निकलती। उन्होंने कहा कि जब किसान आंदोलन करते हैं, तो उन्हें कांग्रेसी मानसिकता का बता दिया जाता है। यह बयान हाल ही में किसानों द्वारा सांसद की वादाखिलाफी पर निकाली गई शवयात्रा के बाद आया है।

दरअसल, किसानों ने प्याज के दाम न मिलने के कारण 15 नवंबर को जिले के टिगरिया गांव में रेल रोको आंदोलन की रणनीति बनाई थी। इसी दौरान किसानों के बीच पहुंचे सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने आश्वस्त किया था कि वे इस मुद्दे पर किसान संगठन के प्रतिनिधियों को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कराएंगे। एक हफ्ता बीतने के बाद

सांसद पाटिल ने किसानों के लिए मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री से समय नहीं मांगा। किसान संगठन से जुड़े नेताओं पर किसानों का गुस्सा फूट गया। कई किसानों ने अपने ही किसान नेताओं पर सरकार के साथ दलाली के आरोप लगाए। इसके बाद आंदोलन से जुड़े किसान नेता नाराज हो गए। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाने के लिए उसी टिगरिया गांव में सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल की शवयात्रा निकाल दी। इस दौरान किसान नेताओं ने अंतिम संस्कार से लेकर मुंडन तक कराया। महिलाओं ने विलाप भी किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तमपालसिंह ने कहा कि, 'ज्ञानेश्वर पाटिल खंडवा लोकसभा के सांसद है। केले की फसल के लिए वह लोकसभा में मुद्दा उठाते है, केले के लिए किसानों को राहत राशि मिलती हैं। लेकिन खंडवा का किसान आंदोलन करता है तो सिर्फ वह आंदोलन करता रहता है। उसके आंदोलन को खत्म करने का प्रयास करते हैं।' पुरनी ने कहा, 'आज मक्के के नाम पर किसान परेशान है, सरकार ने 2400 रूपए का मूल्य निर्धारित किया है। लेकिन 800 से लेकर 1500 के भाव तक मक्का बिका है। आज सोयाबीन का भाव नहीं मिल रहा है। इस बार बरसात ज्यादा होने के कारण फसल पूरी खराब हो गई। कपास का दाम नहीं है, प्याज के नाम पर निर्यात नहीं करने के कारण भाव नहीं मिल रहा हैं। किसानों ने खड़ी फसल में रोटावेटर चला दिए हैं।'

भाजपा संभाग प्रभारी शर्मा खरगोन पहुंचे

संगठन की मजबूती और मतदाता सूची पुनरीक्षण पर हुई चर्चा

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और निमाड़ संभाग प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने पहली बार खरगोन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संगठन की मजबूती पर जोर दिया और मतदाता पुनरीक्षण सूची (एसआईआर) को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की। शर्मा ने पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और कहा कि प्रदेश में 164 विधानसभा और 29 लोकसभा सीटें मिली हैं। इसके बाद हमें अपनी भूमिका को और बेहतर तरीके से निभाना है। उन्होंने रविवार दोपहर पार्टी कार्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। बैठक में जिले में चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में संगठन की गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मने, विधायक बालकृष्ण पाटीदार सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे। निमाड़ संभाग प्रभारी के सामने संगठन की मजबूती को लेकर लंबित जिला व मंडल कार्यकारिणी के गठन पर भी आंतरिक चर्चा हुई। शर्मा ने सभी के समन्वय से इस संबंध में कार्रवाई का पदाधिकारियों को आश्वासन दिया।

20 लाख के नकली नोट छापने वाला डॉक्टर, बुरहानपुर जिला अस्पताल में आरएमओ रह चुका

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा के एक मदरसे में मिले 20 लाख के नकली नोट के मामले में खंडवा पुलिस ने भोपाल से मास्टरमाइंड समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मास्टरमाइंड डॉ. प्रतीक नवलखे और उसके दोनों साथी भोपाल की गोकुलधाम सोसाइटी में एक ट्रैवल एजेंसी की आड़ में नकली नोट छापते थे। पकड़े गए आरोपियों के पास से 15 चेकबुक और 32 एटीएम सहित नकली नोट भी जब्त हुए हैं। ये लोग महाराष्ट्र में एक साथी (इमाम) के पकड़ाने के बाद फरार हो गए थे। 2 नवंबर को खंडवा के ग्राम पैठिया स्थित एक मदरसे में 19 लाख 78 हजार रुपए के नकली नोट मिले थे। जावर पुलिस ने यह कार्रवाई महाराष्ट्र के मालेगांव पुलिस के हत्थे चढ़े पैठिया मदरसे के इमाम जुबेर अंसारी की खबर मिलने पर की थी। पुलिस ने मदरसे में स्थित इमाम के कमरे की तलाश ली तो नकली नोटों से भरा बैग हाथ लगा। इसके बाद पुलिस ने महाराष्ट्र पुलिस से संपर्क कर इमाम से पूछताछ की। इस दौरान खुलासा हुआ कि वह इस गोरखधंधे में डॉ. प्रतीक नवलखे का पार्टनर है।

भोपाल में किराए के मकान में छिपे थे आरोपी

जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि मदरसे के इमाम को नकली नोट उपलब्ध कराने वाला डॉ. प्रतीक नवलखे निवासी बुरहानपुर हैं। इसी दौरान 22 नवंबर को सूचना मिली कि आरोपी डॉक्टर भोपाल मे गोपाल उर्फ राहुल के किराये के मकान मे छुपा हुआ हैं। 23 नवंबर को जावर टीम मौके पर पहुंची। यहां से प्रतीक नवलखे पिता सुरेश नवलखे (43) निवासी बुरहानपुर, गोपाल उर्फ राहुल पिता मांगीलाल पंवार (35) निवासी हरदा, दिनेश गोरे पिता दीपक गोरे (43) निवासी धारणी, जिला अमरावती महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से 15 चेकबुक और 32 एटीएम सहित नकली नोट भी जब्त हुए

बुरहानपुर में बाघ गणना से पहले वनकर्मियों का गहन प्रशिक्षण आठ रेंजों में एम-स्ट्राइप आधारित मॉक एक्सरसाइज

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) देहरादून द्वारा अगले माह छठवीं अखिल भारतीय बाघ गणना की जाएगी। हर चार साल में होने वाली इस गणना की तैयारियों के तहत बुरहानपुर जिले में वनकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिले की सभी आठ रेंजों में वन

अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। कुछ दिनों पहले वनमंडल स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया था, जिसके बाद अब मास्टर ट्रेनर द्वारा रेंज स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को नावरा रेंज में एसडीओ नेपानगर विक्रम सुलिया और वनरक्षक कचरू गुर्जर ने पीपीटी प्रस्तुतीकरण, ट्रांजेक्ट लाइन पर मॉक एक्सरसाइज और एम-स्ट्राइप ऐप का डेमो दिखाकर प्रशिक्षण दिया।

यह प्रशिक्षण बुरहानपुर, खकनार, बोदरली, शाहपुर, नेपानगर, असीरगढ़, धूलकोट और नावरा सहित जिले की सभी आठों रेंजों में आयोजित किया जा रहा है। वनकर्मियों को फील्ड में ले जाकर डेमो प्रदर्शन के माध्यम से भी प्रशिक्षित किया जा रहा है।

बाघ आकलन कुल छह दिनों तक चलेगा। पहले तीन दिनों में प्रत्येक बीट में ट्रांजेक्ट लाइन पर शाकाहारी वन्य प्राणियों की गणना और उनके साक्ष्य एकत्र किए जाएंगे। अगले तीन दिनों में बाघ सहित अन्य मांसाहारी वन्य प्राणियों की गणना और उनके साक्ष्य जुटाए जाएंगे। यह पूरी गणना एम-स्ट्राइप मोबाइल ऐप के माध्यम से की जाएगी।

लक्ष्य ने जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन, फाइनल जीता, जापान के युशी तनाका हराए

सिडनी (एजेंसी) • भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ने रविवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 का खिताब जीत लिया। फाइनल में उन्होंने जापान के युशी तनाका को 21-15, 21-11 से हराया। सिडनी के स्पोर्ट्स सेंटर में लक्ष्य ने मुकाबला सिर्फ 38 मिनट में अपने नाम कर लिया और जीत के बाद कानों पर अंगुलियां रखकर जश्न मनाया। पेरिस ओलंपक में चौथा स्थान हासिल करने के बाद वह खराब फॉर्म से जूझ रहे थे, लेकिन इस टूर्नामेंट में उन्होंने शानदार वापसी की। तनाका के खिलाफ लक्ष्य ने बेहतरीन कंट्रोल, सटीक प्लेसमेंट और साफ-सुथरा खेल दिखाया और मैच को सीधे गेम में समाप्त किया। लक्ष्य ने शुरुआत से ही लय पकड़ ली और 6-3 की बढ़त बनाई। तनाका लगातार नेट, बैकलाइन और ओवरहिट शॉट्स की गलतियां करते रहे। ब्रेक तक लक्ष्य 11-8 से आगे थे। ब्रेक के बाद

लक्ष्य का खेल और मजबूत हुआ। उनके बैकहैंड स्मैश और क्रॉस-कोर्ट विनर ने उन्हें 17-13 की बढ़त दिलाई।

तनाका की गलतियों के चलते लक्ष्य को पांच गेम प्वाइंट मिले और उन्होंने पहला ही मौका भुना लिया। दूसरा गेम एकतरफा रहा। लक्ष्य शुरुआत में ही 8-4 से आगे निकले। फिर लक्ष्य ने नेट पर एक अहम रैली जीतकर स्कोर 13-6 किया, फिर लगातार स्मैश लगाते हुए 19-8 की बढ़त हासिल की। उनके पास 10 मैच प्वाइंट आए। पहला मौका चूकने के बाद उन्होंने अगले ही प्वॉइंट पर तेज क्रॉस-कोर्ट शॉट से मैच और खिताब दोनों जीत लिए।

2024 के बाद पहला बड़ा खिताब

वर्ल्ड नंबर-14 लक्ष्य ने आखिरी बार 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल (सुपर 300) जीता था। उसके बाद यह उनका पहला बड़ा सुपर 500 टाइटल है। इस साल सितंबर में वे हांगकांग सुपर 500 के फाइनल तक भी पहुंचे थे, लेकिन खिताब नहीं जीत पाए थे।

फिल्म 'राहु-केतू' का टीजर रिलीज

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेता पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा अब एक बार फिर धमाल मचाने की तैयारी में हैं। 'फुकरे' सीरीज़ से दर्शकों का दिल जीत चुकी इस जोड़ी की नई फिल्म 'राहु-केतू' का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज कर दिया गया, जिसे देखने के बाद दर्शकों में उत्सुकता और बढ़ गई है। टीजर में दोनों कलाकारों को जहां भी जाते देखा जाता है, वहां अचानक किसी न किसी तरह की अनहोनी या मुसीबत आ जाती है। इसी वजह से लोग उन्हें मनहूस समझते हैं और हर बुरी घटना का जिम्मेदार भी वही ठहराते हैं। लेकिन वीडियो के अंत में एक दिलचस्प ट्विस्ट सामने आता है असल में पुलकित और वरुण मनहूस नहीं, बल्कि ऐसे लोग हैं जो दूसरों को उनके बुरे कर्मों का फल दिलाने के लिए बिल्कुल सही समय पर वहां मौजूद हो जाते हैं। टीजर में दिखाया गया है कि दोनों पर राहु-केतू की प्रभावी दशा चल रही है, जिसकी वजह से उनके जीवन में ब्रह्मांडीय अराजकता अपना असर दिखाती है और वे अनजाने में उलटे-सीधे काम कर बैठते हैं। इसी अनोखे विचार को मजेदार अंदाज में दिखाया गया है, जिससे फिल्म का हास्य और भी तगड़ा होने वाला है।

हेड की पारी देखकर शास्त्री को याद आया 2023 एकदिवसीय विश्वकप

पर्थ (एजेंसी) • भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने एशेज सीरीज के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज ट्रैविस हेड की जमकर प्रशंसा की है। इसी के साथ ही शास्त्री ने साल कप 2023 के एकदिवसीय विश्वकप फाइनल को भी याद किया जब हेड के कारण ही भारतीय टीम के हाथ से खिताब निकल गया था। शास्त्री ने कहा कि जैसा हेड ने भारत के खिलाफ किया था वैसा ही उसने अब इंग्लैंड से किया है। हेड ने एक ऐसी पारी पर्थ में खेली, जिसे इंग्लैंड की टीम कई साल तक भूल नहीं पायेगी। दूसरे ही दिन एक ही सत्र में हेड ने शतक लगाकर अपनी टीम का जीत दिला दी। शास्त्री ने सोशल मीडिया में लिखा, 'हेड दो साल पहले आपने मेरे देश को शांत करा दिया था और आज, आपने फिर से वही इंग्लैंड के खिलाफ खेल के सबसे बड़े प्रारुप में किया है। आक्राम अंदाज़ में, एक शानदार पारी खेली।' हेड को लेकर शास्त्री ने विश्व कप 2023 फाइनल में खेली गई पारी को भी याद किया, जब

उन्होंने अपनी टीम को कठिन हालातों में से निकालकर जीत दिला दी थी। हेड की पारी के कारण ही लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर हार का सामना करना पड़ा था।

हेड ने इस बार इंग्लैंड के खिलाफ केवल 69 गेंदों में शतक लगा दिया जो आज के दौर का सबसे तेज टेस्ट शतक है। हेड पारी की शुरुआत करते हुए उतरे और इंग्लैंड के गेंदबाजों पर टूट पड़े। वह इस मैच में सीमित ओवरों के मैच की तरह खेलते दिखे।, हेड ने अपनी पारी के दौरान 83 गेंदों में 16 चौके और 4 छक्कों की मदद से 123 रन बनाये।

ऋषभ को अंपायरों ने दी चेतावनी, फिर हुई गलती तो टीम पर लगेगा जुर्माना

गुवाहटी (एजेंसी) • यहां जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अंपायरों ने दूसरी बार भारतीय टीम के कप्तान ऋषभ पंत को चेतावनी दी है। ऐसे में अब अगर ऋषभ फिर से गलती करते हैं तो भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया जाएगा। अंपायरों ने ओवरों के बीच तय समय से ज्यादा समय लेने के लिए कप्तान को चेताया है। धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे ऋषभ को ये चेतावनी दी है। ऋषभ को दूसरी चेतावनी अंपायर

रिचर्ड केटलबोरो ने 88वें ओवर के शुरू होने से पहले दी। इसका कारण ये है कि जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के ओवर के बीच कप्तान ने फील्डिंग जमाने में अधिक समय लगा दिया था। ऐसे में अगर कप्तान फिर से टाइम खराब करते हुए पाये जाते हैं तो उन पर 5 रन का जुर्माना लगाया जा सकता है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खाते में ये रन जुड़ जाएंगे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाये थे। उसे शीर्ष बल्लेबाजों एडन मार्करम, रायन रिकल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और टेंबा बावुमा सभी ने अच्छी शुरुआत की हालांकि कोई वे बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

हमारे लिए 'मस्ती 4' की शूटिंग एक यादगार सफर: रुही सिंह

मुंबई (एजेंसी) • रुही सिंह लोकप्रिय फ्रेंचाइजी 'मस्ती' की नई कड़ी 'मस्ती 4' का हिस्सा हैं। उनके लिए यह फिल्म सिर्फ एक कॉमेडी प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक बड़ा सीखने का मंच भी बनी है। उन्होंने एक इंटरव्यू में रुही ने बताया कि 'मस्ती 4' की शूटिंग उनके लिए एक यादगार सफर रही। इस फिल्म में वे बॉलीवुड के कई बड़े कलाकारों आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और अरशद वारसी के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हर एक्टर अपनी एक अलग ऊर्जा और अनुभव लेकर सेट पर आता है, जिससे चीजें और बेहतर सीखने को मिलती हैं। रुही के मुताबिक, इस फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता ने उन्हें और मेहनत करने की प्रेरणा दी। फिल्म में रुही की जोड़ी आफताब शिवदासानी के साथ बनाई गई है। आफताब के साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि वे बेहद विनम्र और सादगी भरे इंसान हैं।

उज्जैन संभाग

पुरानी रंजिश में युवक की चाकू मारकर हत्या, पशु बाड़े में घुसकर वारदात

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन के नीलगंगा थाना क्षेत्र स्थित एकता नगर में शनिवार रात एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात पशु बाड़े में घुसकर की गई। पुलिस ने पुरानी रंजिश के चलते हत्या की आशंका जताई है। मामले में चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान तिलकेश्वर कॉलोनी निवासी अक्कू पिता मुरली मालवीय के रूप में हुई है। अक्कू एकता नगर में रहने वाले दीपक खींची के पशु बाड़े में काम करता था। शनिवार रात वह बाड़े में सो रहा था, तभी करीब आधा दर्जन बदमाश वहां घुस आए और उस पर चाकू से हमला कर दिया। हमले के दौरान हुए शोर-शराबे की आवाज सुनकर बाड़े का मालिक दीपक खींची मौके पर पहुंचा। तब तक हमलावर वहां से फरार हो चुके थे। दीपक ने अक्कू से हमलावरों के बारे में पूछा तो उसने तीन-चार लोगों के नाम बताए। अक्कू के पेट, सिर और शरीर के अन्य हिस्सों से खून बह रहा था। दीपक ने पड़ोसियों की मदद से गंभीर रूप से घायल अक्कू को जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने अक्कू का इलाज शुरू किया, लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रखवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

भाजपा पार्षदों में विवाद, बैठक में हंगामा कार्तिक मेले में अवैध झूलों को लेकर हुई बहस

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन नगर निगम में चल रही बैठक के दौरान शनिवार को हंगामा हो गया। यहां कार्तिक मेले में अवैध झूले को लेकर बातचीत के दौरान भाजपा के दो पार्षदों के बीच तू तू-मैं मैं शुरू हो गई। कुछ ही देर में नौबत मारपीट तक पहुंच गई। हालांकि, वहां मौजूद अधिकारी और अन्य भाजपा के पार्षदों ने बीच बचाव किया और मामले को शांत करवाया। इधर, दोनों पार्षदों को पार्टी कार्यालय तलब किया है। मेले में एक ही प्लाट पर दो अतिरिक्त झूले लगाकर संचालन करने के मामले में नगर निगम ने शुक्रवार रात कार्रवाई की थी। निगम टीम ने 3 झूलों को सील कर दिया था। अवैध रूप से संचालित ये झूले पिछले 20 दिन से चल रहे थे। सील किए गए झूलों में एक नाव और दो अन्य बड़े झूले शामिल हैं। इधर, अवैध झूलों पर कार्यवाही को लेकर शनिवार को नगर निगम में झूले की समिति की बैठक थी। उसमें चर्चा हो रही थी। चर्चा के दौरान भाजपा पार्षद गब्बर भाटी और सुशील श्रीवास में अवैध झूलों को लेकर गहमागहमी हो गई। हंगामा होने लगा। बात मारपीट तक पहुंचती इससे पहले वहां मौजूद पार्षदों और अधिकारियों ने मामले को शांत करवाया। भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि बैठक में विवाद की जानकारी मुझे लगी है। दोनों पार्षदों से मैने चर्चा भी की है। पार्टी का अंदरूनी मामला है। दोनों पार्षदों को पार्टी कार्यालय बुलाया है।

ट्रैफिक कंट्रोल करने पुलिस ले रही ड्रोन का सहारा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन-इंदौर रोड पर बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए पुलिस ने यातायात नियंत्रण के लिए ड्रोन कैमरों का उपयोग शुरू किया है। इस मार्ग पर सिक्स लेन सड़क निर्माण कार्य जारी है, जिसके कारण अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले अधिकांश श्रद्धालु इंदौर की ओर से ही प्रवेश करते हैं, जिससे इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। सिक्स लेन सड़क के निर्माण कार्य के चलते वाहनों के कारण आए दिन जाम लग जाता है।

इस समस्या से निपटने के लिए पुलिस ने अब ड्रोन से जाम पर नजर रखना शुरू किया है। एसपी प्रदीप शर्मा के निर्देश पर यातायात विभाग ने उज्जैन-इंदौर मार्ग पर विशेष निगरानी अभियान चलाया है। एएसपी आलोक शर्मा और डीएसपी ट्रैफिक विक्रम सिंह कनपुरिया के नेतृत्व में टीमें लगातार फील्ड में सक्रिय हैं। सड़क के दोनों ओर पुलिस बल तैनात किया गया है, साथ ही पेट्रोलिंग के लिए चार्ली टीमों को भी लगाया गया है। ड्रोन से पूरे मार्ग की लाइव निगरानी की जा रही है। जैसे

ही कहीं ट्रैफिक का दबाव बढ़ता है, ड्रोन ऑपरेटर तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना देता है, और कुछ ही मिनटों में चार्ली टीम मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाने में जुट जाती है। पुलिस का दावा है कि ड्रोन मॉनिटरिंग से जाम की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ है और यातायात को पहले से बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा रहा है।

इस्कॉन मंदिर के शिखर पर लगा सुदर्शन चक्र, सोने की पॉलिश वाला 20 किलो वजनी चक्र स्थापित

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • इस्कॉन मंदिर में रविवार को सुदर्शन चक्र की प्रतिष्ठा की गई। अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) द्वारा आयोजित इस समारोह में मंदिर के शिखर पर सुदर्शन चक्र स्थापित किया गया। वैदिक मान्यता के अनुसार,

सुदर्शन चक्र भगवान कृष्ण का दैवी आयुध है, जिसका उपयोग धर्म की रक्षा और अधर्म के नाश के लिए किया जाता है। भरतपुरी स्थित इस्कॉन मंदिर के शिखर पर स्थापित यह सुदर्शन चक्र 4×4 फीट चौड़ा और लगभग 20 किलोग्राम वजनी है। इसे मुंबई में विशेष रूप से तैयार करवाकर मंगवाया गया है और यह पूरी तरह से सोने की पॉलिश से युक्त है। रविवार सुबह से ही धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें यज्ञ, पूर्णाहुति और अभिषेक शामिल थे। इन विधि-विधानों के बाद सुदर्शन चक्र को मंदिर के शिखर पर स्थापित किया गया।

इस प्रतिष्ठा समारोह में अमेरिका से श्रील प्रभुपाद के शिष्य और इस्कॉन गुरु श्रीमद चंद्रमौली स्वामी महाराज और श्रीपाद कैवल्य प्रभुजी उपस्थित रहे। मायापुर गुरुकुल के मुख्य श्रीपाद कृष्ण चैतन्य प्रभु ने पुरोहित की भूमिका निभाई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सुदर्शन चक्र के दर्शन किए।

आगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष का वोट इंदौर में मैप, जिलाध्यक्ष का वोट गलत विधानसभा में जा सकता, तो वोटर्स की स्थिति क्या होगी - विजयलक्ष्मी

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा • आगर मालवा की कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजयलक्ष्मी तंवर का वोट इंदौर में मैप शो हो रहा है। उस पर उन्होंने चुनाव आयोग पर गड़बड़ी के आरोपी लगाए हैं। जिला अध्यक्ष ने कहा कि मैंने बड़ौद तहसील के ग्राम जयसिंहपुरा निवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजयलक्ष्मी तंवर ने स्ढ्क्र प्रक्रिया के तहत अपना फॉर्म भरकर संबंधित बीएलओ को सौंपा था। हालांकि, मैपिंग के दौरान पता चला कि उनका वोट इंदौर की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 5, पार्ट-199, नवरतनबाग में दर्ज हो गया है। यह मैपिंग बीएलओ मंगला वर्मा (208-इंदौर-5) के मोबाइल से हुई है। यह जानकारी सामने आने पर विजयलक्ष्मी तंवर ने रविवार को प्रेसवार्ता में इसे एक बड़ी गड़बड़ी बताया। उन्होंने कहा कि वह कभी उस विधानसभा क्षेत्र में नहीं गईं, और बिना उनके

हस्ताक्षर के उनका नाम इंदौर में कैसे मैप हो गया, यह समझ से परे है। उन्होंने बताया कि वह 2009 में आगर के वार्ड क्रमांक 6 से पार्षद बनी थीं और वर्ष 2014 में कांग्रेस पार्टी के मैंडेट पर नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव भी लड़ा था।

चुनाव आयोग भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहा

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग पूरी तरह लापरवाह है और भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की गड़बड़ियां लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। तंवर ने सवाल उठाया कि यदि एक जिलाध्यक्ष का वोट गलत विधानसभा में जा सकता है, तो आम मतदाताओं के नाम और पतों की स्थिति क्या होगी, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है।

उन्होंने यह भी बताया कि जिलेभर में मतदाता सूची में गलत पते, गलत मैपिंग और बिना दस्तावेजों के बदलाव के कई मामले सामने आ रहे हैं। प्रेसवार्ता में मौजूद अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों ने भी इसे एक व्यवस्थित गड़बड़ी का संकेत बताया, जिससे चुनावी प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका है। जिलाध्यक्ष के इस आरोप के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि क्या निर्वाचन आयोग इस गंभीर मामले की जांच करेगा या फिर इसे भी सामान्य त्रुटि बताकर टाल दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर महू एसडीएम की अवैध खनिज परिवहन पर कार्यवाही

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशों पर रविवार को महू एसडीएम राकेश परमार द्वारा अवैध खनिज परिवहन पर कार्यवाही की गई। एसडीएम परमार ने बताया कि महू क्षेत्र में दो वाहनों को अवैध खनिज परिवहन करते हुए पाया गया। सोनवाई टोल के पास टीही गांव में एक डंपर में गिट्टी की मुरम और दूसरे में चुरी का परिवहन करते पाया गया। परिवहन के संबंध में दस्तावेज मांगे जाने पर चालाक द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गए। उक्त दोनों वाहनों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें जप्त कर किशनगंज थाने में पुलिस की अभिरक्षा में रखवाए गए। साथ ही आगामी कार्यवाही के लिए उक्त मामले को खनिज इंस्पेक्टर ठाकुर को सौंपा गया। महू एसडीएम राकेश परमार द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान गाड़ी को अवैध खनन करने वाले जाने पर दोनों वाहनों को किशनगंज पुलिस थाने में जप्त किया गया। उक्त दोनों वाहन अवैध एवं बिना रायल्टी के परिवहन किये जा रहे थे।

56.73 बल्क लीटर अवैध शराब जप्त कर पेशेवर आरोपी गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अभियान चलाकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इस कार्यवाही में बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा जप्त की गई। सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी ने बताया कि शहरी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। आज की कार्यवाही में वृत्त सांवेर वृत प्रभारी त्रिअंबिका शर्मा ने मुखबिर की सूचना पर अपनी टीम के साथ चामुंडा माता मंदिर के पास दबिश देकर अवैध रूप से संग्रहित की 56.73 बल्क लीटर अवैध शराब जप्त कर आरोपी संजय गौड़ पिता राजेंद्र गौड़ निवासी सांवेर को गिरफ्तार किया है।

एसआईआर : लोगों के भोलेपन का ले रहे फायदा, कहीं 100 तो किसी ने 400 रुपए तक वसूले

जी का जंजाल बनी 2003 की सूची के लिए जमकर की जा रही वसूली...

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इन दिनों पूरे प्रदेश के साथ ही इंदौर में भी मतदाता सूची विशेष गहन पुननरीक्षण (एसआईआर 2026) का कार्य भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चल रहा है, जो 4 नवंबर से शुरू होकर 4 दिसंबर तक चलेगा। इसमें गणना पत्रकों के डिजिलाइजशेन को समय पर पूरा करने के लिए बीएलओ सहित पूरा मैदानी अमला जुटा हुआ है। वहीं दूसरी ओर लोगों में एसआईआर फार्म को लेकर अफरा-तफरी मची हुई है। सबसे बड़ी दिक्कत 2003 की मतदाता सूची में नाम को लेकर लोग परेशान हो रहे हैं। वैसे तो यह आसानी से चुनाव आयोग की साइट पर उपलब्ध हैं और निकल भी रही है, लेकिन लोगों की इसकी जानकारी न होने का फायदा आनलाइन का कार्य करने वाले उठा रहे हैं।

एसआईआर फार्म को लेकर मुस्लिम बहुल्य क्षेत्रों में ज्यादा चहल-पहल देखी जा रही है। कारण इसे एनआरसी से जोड़ा जा रहा है और लोगों को लग रहा है कि यदि वो 2003 में अपना या अपने परिवार का नाम साबित नहीं कर पाएंगे, तो उनकी नागरिकता छिन जाएगी, जबकि ऐसा नहीं है। उन्हें कई अन्य तरीके मौके दिए जाएंगे, जिससे वो अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा सकें, लेकिन लोगों में इसको लेकर इतनी हैबत है कि जिन लोगों का नाम या परिजनों के बुजुर्गों का नाम 2003 की सूची में नहीं मिला, उन्हें लग रहा है कि उनकी दुनिया खत्म हो जाएगी और वो निराशा में डूबे

नजर आ रहे हैं। लोग उन्हे दिलासा ऐसे ही दे रहे हैं।

2003 की सूची में कई लोगों के परिवार के परिवार के नाम सूची से गायब हो गए हैं। उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि वो कैसे 2003 की सूची में अपना नाम साबित करें। सबसे ज्यादा दिक्कत उन्हें जो वोटर कार्ड और वोट डालने में ज्यादा रुचि नहीं लेते थे। अब तक उन्होंने यह नहीं देखा कि वोटर आईडी में उनका पता बदला या नहीं। जो पुराने क्षेत्र में रहते थे, वहां से नाम कटवाकर नए पते पर जुड़वाया नहीं। अब परेशान हो रहे हैं।

प्रत्येक बीएलओ को कार्य में सहयोग प्रदान करने के लिए 2 से 3 सदस्यों की टीम लगाई गई है। इनमें ऐसे शासकीय सेवक शामिल हैं जिन्हें क्षेत्र और वहां के निवासियों की बेहतर जानकारी हो-जैसे पटवारी, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक आदि। इसके साथ ही गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन के लिए कंप्यूटर ऑपरेटरों की अलग टीम भी तैनात की गई है। मतदाताओं के मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए राज्य स्तर और सभी जिलों में हेल्प डेस्क स्थापित की गई हैं। साथ ही राज्य का टोल-फ्री नंबर 1950 भी सक्रिय रूप से संचालित है। कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन और समय पर कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ को राज्य एवं जिला स्तर पर सम्मानित किया जा रहा है, जिससे अन्य बीएलओ भी प्रेरित हों और कार्य की गति एवं गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो।

प्रिंट निकालने के लिए वसूल रहे रुपए, क्या कोई देखने वाला नहीं है

एसआईआर फार्म में 2003 की मतदाता सूची में स्वयं या माता-पिता, दादा-दादी का नाम ढूंढने के लिए लोग सूची निकला रहे हैं। इसकी एक प्रिंट समान्यता 5 से 10 रुपए में कोई भी फोटोकापी वाला निकल देते हैं, लेकिन वर्तमान में मौके के फायदा उठाया जा रहा है। लोगों से 100 रुपए से लेकर 400 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। स्थानीय 2003 की सूची निकलने के लिए 100 रुपए तक लिए जा रहे हैं, तो अन्य शहर और प्रदेश के बाहर की सूची निकलने के 400 और ज्यादा रुपए भी लिए जा रहे हैं। मौके का फायदा उठा रहे हैं, इन्हें कोई रोकने-टोकने वाला नहीं है। लोगों में एसआईआर फार्म भरने को लेकर तो जागरुकता है, लेकिन 2003 की सूची कैसे निकलेगी और किन लोगों के लिए जरूरी है, इसको लेकर जागरुकता नहीं है।

500 करोड़ लैंटर्न प्रोजेक्ट में बिल्डर शरद डोसी और नेताओं को बड़ा झटका

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में 500 करोड़ से ज्यादा कीमत का लैंटर्न होटल प्रोजेक्ट फंस गया है। इस प्रोजेक्ट में बिल्डर शरद डोसी, विकास चौधरी और अरविंद मंडलोई को बड़ा झटका लगा है। इस प्रोजेक्ट में पर्दे के पीछे कुछ नेताओं की भी भागीदारी रही है। खासकर इंदौर के दो बड़े कांग्रेसी नेताओं की। इनमें से एक अब बीजेपी में आ गए हैं। उन्हें भी इस मामले से तगड़ा झटका लग गया है।

इंदौर में प्राइम लोकेशन रेसकोर्स रोड पर स्थित लैंटर्न होटल की जमीन पर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स आ रहा था। यहां की जमीन को लेकर विवाद उठा और नगर निगम ने अपना स्वामित्व बताया था। हाईकोर्ट में जुलाई 2023 में डोसी, चौधरी, मंडलोई की कंपनी एमएसडी रियल एस्टेट के पक्ष में फैसला आया था। इसमें निगम के मालिकाना दावे को खारिज किया गया था। इसके खिलाफ नगर निगम ने आपत्ति ली और सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें अब

सुप्रीम कोर्ट ने अहम आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने यह फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा कि जमीन का स्वामित्व सिविल सूट से ही तय हो सकता है। ऐसे में इसे तय करने के लिए जिला कोर्ट में वाद लगाया जाए। वहां से फैसला होगा। ऐसे में तब तक किसी भी तरह के निर्माण व अन्य काम की मंजूरी नहीं दी जा सकती है।

पलासियाहाना रेसकोर्स रोड पर एक लाख हजार वर्गफीट करीब की इस जमीन का यह विवाद है। नगर निगम का दावा था कि मिसल बंदोबस्त 1925-26 में यह जमीन नगर निगम की थी। साल 1946 में यह जमीन होलकर महाराजा ने अपने वित्तमंत्री कैप्टन एचसी ढांढा को गिफ्ट की थी। इसी आधार पर 1952 में यहां लैंटर्न होटल व अन्य निर्माण की मंजूरी भी हुई।

कैप्टन ने मौत से पहले होटल पारिवारिक ट्रस्ट को दिया था। इसमें था कि जमीन ट्रस्ट नहीं बेच सकता है। होटल की कमाई परिवार के भरण-पोषण के लिए होगी। वहीं, होटल बंद होने पर जमीन एमएसडी रियल एस्टेट कंपनी को बेच दी गई थी। कंपनी ने यहां पर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स नक्शे की मंजूरी का आवेदन कर दिया था। बाद में इसमें निगम ने आपत्ति ली और कहा कि यह जमीन उनकी है।

दिग्विजय सिंह ने जेन जी को आगे आने के लिए कहा, एसआईआर पर फिर ईसी को घेरा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नेपाल में हुए जेन जी जैसे आंदोलन की जरूरत अब पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने बताई है। खासकर चुनाव आयोग के जरिए किए जा रहे एसआईआर को देखते हुए इसकी जरूरत बताई गई है। इसके पहले हाल ही में इंदौर आए रॉबर्ट वाड्रा ने भी इस तरह के आंदोलन की अप्रत्यक्ष तौर पर जरूरत बता दी थी।

हाल ही में कुछ बुद्धिजीवियों ने राहुल गांधी को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को बेवजह बदनाम किया जा रहा है। इस पर सिंह ने अपनी बात रखी। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव आयोग को बचाने की कोशिश की है। इसके लिए 272 रिटायर अफसरों से दस्तखत कराए गए हैं। इनमें रिटायर जज, आईएएस और

आईपीएस जैसे लोग शामिल हैं। इनमें कई लोग बीजेपी से जुड़े हैं। कुछ का नाता आरएसएस से भी बताया गया है। कुछ पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे हैं। इनके घर से करोड़ों रुपए मिले थे। यही लोग आयोग का बचाव कर रहे हैं। आयोग पूरी तरह से बेईमानी पर उतरा हुआ है। मोदी जी, आप इन बातों से खुद को अलग रखें। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने का समय आ गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से सभी को निर्देश दिए गए हैं। 26 नवंबर को वह संविधान को लेकर चर्चा करेंगे। युवा साथियों को, जिनके सामने भविष्य है, सोचना होगा। आज स्क्रक के जरिए वोट छीन रहे हैं। यह वोट छीनकर नागरिकता भी छीन लेंगे। अपने मन से मतदाता सूची बनाई जा रही है। सिंह ने न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्होंने सबसे शक्तिशाली नेता यूएस राष्ट्रपति ट्रंप को उनके मुंह पर फासिस्ट कहा, जबकि वह केवल एक शहर के मेयर हैं। इसके पहले सिंह ने शनिवार रात को मीडिया से चर्चा की थी। इसमें उन्होंने NCERT की किताबों में बदलाव पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि बीजेपी और आरएसएस केवल मंदिर-मस्जिद करना जानती हैं।

एयरपोर्ट से मेट्रो किस तरह से कनेक्ट होगी, फैसला फिर टला

मेट्रो और एयरपोर्ट प्रबंधन के बीच निर्णय दूसरी बैठक में भी नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एयरपोर्ट से मेट्रो किस तरह से कनेक्ट होगी इसे लेकर मेट्रो और एयरपोर्ट प्रबंधन के बीच निर्णय दूसरी बैठक में भी नहीं हो सका। बताते हैं कि जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाना चाहिए। वरिष्ट्र अधिकारी एक बैठक वरिष्ठों के साथ कर इस मामले में समाधान चाहते हैं। बताते है एयरपोर्ट प्रबंधन बिजासन के सामने वाली जमीन पर मल्टीलेवल पार्किंग बनाएगा ताकि वर्तमान टर्मिनल के पास बनी पार्किंग यहां शिफ्ट हो सकेगी। मौजूदा पार्किंग हटने के बाद यहां की जमीन को टर्मिनल के विस्तार में काम लिया जाएगा। अभी एयरपोर्ट प्रबंधन प्लानिंग नहीं कर पा रहा है क्योंकि मेट्रो स्टेशन का एंट्री-एग्जिट पॉइंट एयरपोर्ट से जोड़ा जाना है। मेट्रो स्टेशन का काम शुरू होने के बाद एयरपोर्ट का काम हो सकेगा।

मल्टीलेवल पार्किंग अटकी-इस चक्कर में एयरपोर्ट की खाली जमीन पर प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग नहीं बन पा रही है। पार्किंग बने तो वर्तमान पार्किंग हटेगी और मौजूदा टर्मिनल का विस्तार हो सकेगा। एयरपोर्ट की यात्री क्षमता 40 लाख प्रतिवर्ष है। एयरपोर्ट के विस्तार की मांग लंबे समय से चल रही है। एयरपोर्ट के सामने बिजासन मंदिर के नीचे वाली 20.48 एकड़ जमीन प्रबंधन को मिल चुकी है। पहले बिजासन मंदिर के रास्ते को लेकर पेंच फंसा था, इसके साथ ही मेट्रो स्टेशन की प्लानिंग के कारण एयरपोर्ट प्रबंधन आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

रिटायर आईएएस पूर्व संभागायुक्त एसबी सिंह की मल्टी के काम पर हाईकोर्ट का आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के पॉश एरिया बसंत बिहार में बन रही एक मल्टी बिल्डिंग का विवाद हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। यह मल्टी रिटायर आईएएस और भोपाल के पूर्व संभागायुक्त एसबी सिंह की है। उनकी जी प्लस 4 मल्टी के चलते पास की सड़क पूरी तरह धंस गई है। रहवासी रितु पति संजय श्रीवास्तव ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई है। एसबी सिंह 2013 से 2016 तक भोपाल के संभागायुक्त पद पर रह चुके हैं। वह राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रहे हैं। उन्हें पदोन्नति के बाद आईएएस बने हैं।

याचिकाकर्ता ने निगमायुक्त, बिल्डिंग ऑफिसर और सिंह की पत्नी शारदा सिंह को भी पक्षकार बनाया है। याचिका में कहा गया

कि सिंह की मल्टी के लिए हो रही अवैध खुदाई से परेशानी हो रही है। याचिका में इन पक्षकारों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश देने की मांग की गई है। इस मामले में नगर निगम ने बताया कि उनके जरिए संबंधित पक्षकार को 10 नवंबर को नोटिस दे दिया गया है। यह नोटिस मप्र नगर पालिक एक्ट 1956, मप्र भूमि विकास नियम 2012 के तहत जारी हो गया है। इसमें उनके जरिए की गई खुदाई को बंद करने का आदेश दिया गया है।

इंदौर हाईकोर्ट ने सभी तर्क सुनने के बाद कहा कि इस संबध में पक्षकारों के जरिए कार्रवाई शुरू हो चुकी है। इसलिए अब इस मामले में और आगे निर्देश नहीं दिया जाता है। रिटायर्ड आईएएस एसबी सिंह के बसंत विहार कॉलोनी में बन रही इस मल्टी के निर्माण कार्य से रहवासी क्षेत्र की पूरी सड़क टूट गई है। बताया जा रहा है कि बेसमेंट में ऐसी खुदाई की गई कि सड़क के नीचे की पूरी मिट्टी ही धसक गई।

रहवासियों को आशंका है कि आवासीय क्षेत्र में होटल तानने की तैयारी है। जानकारी के अनुसार यहां पर पार्किंग प्लस 4 मंजिल की आवासीय मंजूरी है। वहीं, बेसमेंट की मंजूरी नहीं है। रहवासियों को आशंका है कि यहां जी प्लस 4 बनाकर होटल तानकर व्यावसायिक उपयोग किया जाएगा। इस मामले में क्षेत्र के बिल्डिंग अधिकारी विशाल राठौर ने कहा कि शिकायत आई थी। हमने पहले स्थल निरीक्षण का नोटिस दिया था। इसके बाद जवाब नहीं आया। ऐसे में बेसमेंट खुदाई को लेकर कारण बताओ नोटिस देकर जवाब मांगा था। अभी तक उनका जवाब नहीं आया है। अब दूसरा नोटिस दे रहे हैं। जब कार्रवाई की बात पूछी गई तो उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया की जा रही है। सभी पर समान कार्रवाई की जा रही है, कोई पक्षपात नहीं हो रहा। उधर एसबी सिंह ने द सूत्र से कहा था कि रहवासियों को कोई गलतफहमी हो गई है। यहां पी प्लस फोर मंजिल का नक्शा मंजूर है।

दिल्ली ब्लास्ट में लिंक जवाद सिद्दीकी के मकान को सीधे तोड़ा क्यों नहीं, महू कैंट बोर्ड कठघरे में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिल्ली ब्लास्ट मामले में अल फलाह यूनिवर्सिटी का ट्रस्ट जुड़ा हुआ है। ट्रस्ट के साथ महू के जवाद अहमद सिद्दीकी का भी लिंक सामने आया है। अब महू प्रशासन और पुलिस अपनी छवि सुधारने में जुटी हैं। वहीं, इसी मामले में महू कैंट बोर्ड की नोटिस कार्रवाई सवालों के घेरे में आ चुकी है। वहीं सालों से वारंटी उसके भाई हमूद को भी अब धोखाधड़ी में गिरफ्तार किया गया है। इसके पहले वह 25 सालों से फरार था और महू पुलिस चुप थी।

बोर्ड ने 19 नवंबर को सिद्दीकी के मकान को तोड़ने का नोटिस दिया था। इसमें तीन दिन में कार्रवाई की बात कही गई थी। इस नोटिस के खिलाफ हाईकोर्ट में अब्दुल माजिद ने वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागड़िया के माध्यम से याचिका दायर की थी। इसमें शुक्रवार, 21 नवंबर को आदेश जारी हुआ और स्टे हो गया है। पहले यह जानकारी आ रही थी कि स्टे 15 दिन का है। वहीं, यह इससे अधिक समय का है। लिखित आदेश में है कि याचिकाकर्ता आदेश से 15 दिन के भीतर दस्तावेज के साथ इस नोटिस का जवाब देगा। सुनवाई का उचित अवसर देकर तर्कपूर्ण आदेश दिया जाएगा। यह कार्रवाई होने के बाद यदि आदेश याचिकाकर्ता के खिलाफ आता है तो दस दिन तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। यानी 15 दिन में जवाब याचिकाकर्ता देगा। फिर आदेश तोड़ने का आदेश आता है तो कम से कम 10 दिन

तक और कार्रवाई नहीं होगी। यानि आदेश विपरीत हुआ तो वह फिर एक बार हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकेगा।

महू बोर्ड का नोटिस क्यों सवालों में : 1- महू बोर्ड ने हाईकोर्ट में जवाब दिया कि याचिकाकर्ता को पूर्व में नोटिस दिया गया था। वहीं, सामने वरिष्ठ अधिवक्ता बागड़िया ने बताया कि नोटिस इससे पहले 23 नवंबर 1996 को दिया गया था। ऐसे में 29 साल बाद नोटिस का क्या तर्क है।

2- महू बोर्ड ने 23 नवंबर 1996 को अवैध निर्माण के खिलाफ कारण बताओ नोटिस दिया था। फिर 2 दिसंबर 1996 को धारा 185 का नोटिस दिया था। अंतत: 27 मार्च 1997 को मकान तोड़ने का आदेश धारा 256 में दे दिया गया था, तो मकान तोड़ा क्यों नहीं?

3- सवाल यह है कि महू बोर्ड को मकान तोड़ना था, तो क्यों 3 दिन का समय दिया गया। अगर पहले से नोटिस था, तो इसे तुरंत तोड़ा जा सकता था। 24 घंटे का समय देकर इसे तुरंत तोड़ देना चाहिए था।

4- फिर सवाल 28 साल तक महू बोर्ड क्यों सोया रहा? इस बात को लेकर हाईकोर्ट में शासकीय अधिवक्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता के बीच बहस भी हुई। शासकीय अधिवक्ता ने कहा कि इन्होंने 28 सालों में जवाब नहीं दिया, ये कहां थे? तब वरिष्ठ अधिवक्ता ने भी कहा कि यह नोटिस देकर क्यों भूल गए, ये कहां थे? इस पर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई।

5- यदि महू कैंट बोर्ड उचित समय का नोटिस देकर तोड़ने की बात कह रहा है तो फिर सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन क्यों नहीं हुआ? वहीं, यदि पुराने नोटिस पर कार्रवाई की बात करना चाहता है तो फिर सीधे 24 घंटे में तोड़ा क्यों नहीं? जबकि सभी को पता है कि सिद्दीकी आतंकवादी गतिविधियों में लिंक हुआ है और ईडी ने भी केस दर्ज कर छापे मारे हैं। पहले ही वारंट थे और फरार थे। फिर बोर्ड और महू पुलिस इतने सालों से कर क्या रही थी?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।